पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ

आज तक आमने-सामने

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा

Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com

RNI No-Punhin2013/54688   1-15 JULY-2025

मनदीप कौर, मैनेजिंग डायरेक्टर

एस. के. सक्सैना, मुख्य संपादक

साल 2025 /संपादक एसके सक्सैना / www aajtakaamnesaamne.com /Help Line 9878552070

दिल्ली के चाणक्यपुरी के नेवी और द्वारका के स्कूल में बम रखे होने की धमकी

नई दिल्ली (एजंसी)–दिल्ली के दो स्कूलों में बम होने की सूचना मिली है. ये चाणक्यपुरी का नेवी स्कूल और द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल है, जहां बम होने की कॉल आई है. स्कूलों में बम होने की जानकारी ई–मेल के जरिए भेजी गई है. इसके बाद पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है. बम निरोधक दस्ता मौके पर भेज दिया गया है. ये स्कूल को स्कैन कर रहा है. छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल को खाली करा लिया गया है. इससे पहले भी कई स्कूलों में बम होने की धमकी मिली थी, लेकिन अभी तक किसी भी स्कूल में कुछ संदिग्ध सामान नहीं मिला है. कई बार स्कूल के स्टूडेंट्स ही मजाक–मजाक में ऐसी ईमेल कर देते हैं.

गृह मंत्रालय ने जेलों में बढ़ते कट्टरपंथ को गंभीर खतरा बताया

हिंसक उग्रवाद के खतरे को कम करना ज़रूरी

नई दिल्ली (एजंसी)–गृह मंत्रालय ने जेलों में कट्टरपंथ को एक गंभीर चुनौती बताया है तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में गृह मंत्रालय ने कैदियों की जांच–पड़ताल, समय–समय पर जोखिम का आकलन और अधिक जोखिम वाले व्यक्तियों को अधिक निगरानी के साथ अलग रखने समेत विभिन्न उपायों की सूची देते हुए दिशानिर्देश जारी किए हैं और ऐसे कैदियों को कट्टरपंथ से बाहर निकालने की प्रक्रिया को शुरू करने के महत्व को भी रेखांकित किया गया है. इसमें कहा गया है कि जेलों में कट्टरपंथ आमतौर पर खतरनाक हो सकता है, क्योंकि जेल बंद जगहें होती हैं जहां सामाजिक

अलगाव, समूहों का प्रभाव और निगरानी की कमी जैसे कारण चरमपंथी विचारों को बढ़ावा दे सकते हैं. इसमें कहा गया है कि कैदी अक्सर अलगाव की भावना, हिंसक व्यवहार की प्रवृत्ति या समाज–विरोधी सोच के कारण कट्टरपंथी विचारों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं और कुछ मामलों में, ऐसे कट्टरपंथी कैदी हिंसक घटनाओं में शामिल हो सकते हैं या जेल कर्मचारियों, अन्य कैदियों या बाहर के लोगों पर हमले की साजिश बना सकते हैं. गृह मंत्रालय ने कहा, %जेलों में संवेदनशील व्यक्तियों में फैलते कट्टरपंथ को रोकने और कदम उठाने की सख्त जरूरत है. साथ ही, ऐसे व्यक्तियों को कट्टरपंथ से बाहर लाने की प्रक्रिया शुरू करना भी जरूरी है, क्योंकि इसे सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. इसने कहा कि जेलों में कट्टरपंथ के मुद्दे को सुलझाना इसलिए जरूरी है ताकि हिंसक उग्रवाद के खतरे को कम किया जा सके, कैदियों का पुनर्वास बेहतर ढंग से हो सके, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और वे समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक फिर से जुड़ सकें

बलूचिस्तान में पंजाब प्रांत के नौ लोगों को बस से उतारकर गोली मारकर हत्या

चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए

कराची (एजंसी)–पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में चरमपंथियों ने शुक्रवार को एक बस से पंजाब के नौ यात्रियों को उतारकर उन्हें गोली मार दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांत के झोब इलाके के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि घटना झोब इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। यह बस क्वेटा से लाहौर जा रही थी। हथियारबंद हमलावरों ने पहले यात्रियों के पहचान पत्र देखे और नौ लोगों को बस से उतरने को कहा तथा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। आलम ने बताया कि ये सभी लोग पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सों से थे। उन्होंने बताया, ''हमने सभी नौ शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह पहली बार नहीं है जब चरमपंथियों ने पंजाब प्रांत के लोगों और बलूचिस्तान में विभिन्न राजमार्ग से गुजरने वाली बसों के यात्रियों को निशाना बनाया है। किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए लेकिन बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। बलूचिस्तान मीडिया में अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चरमपंथियों ने रात के दौरान प्रांत में कई जगहों पर हमले किए और सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया। रिंद ने हमलों की पुष्टि की लेकिन उन्होंने कहा कि इनमें से किसी भी घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

फेमस मॉडल सैन रेचल ने की आत्महत्या, पुलिस को मौके से मिला सुसाइड नोट

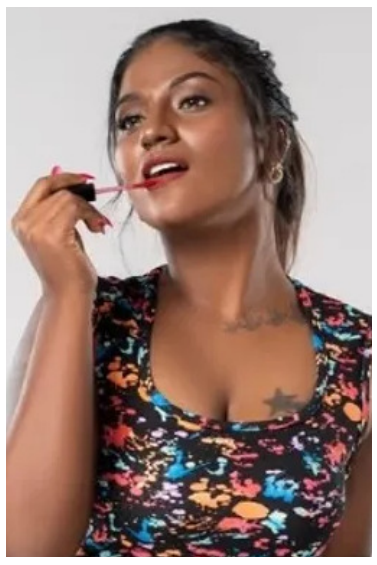

पुडुचेरी (एजंसी)–पुडुचेरी से फेमस मॉडल सैन रेचल की खुदकुशी का मामला सामने आया है. पुलिस को शक है कि भारी कर्ज और तनाव के कारण उन्होंने ये कदम उठाया होगा. तहसीलदार ने जांच के आदेश दिए हैं क्योंकि सैन की पिछले साल ही शादी हुई थी. मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, उसमें लिखा है कि उनकी मौत के लिए कोई ज़िम्मेदार नहीं है. वहीं जांचकर्ताओं का कहना है कि सैन रेचल ने अपने काम के लिए पैसे जुटाने के लिए अपने गहने गिरवी रखे थे. अपनी प्रतिभा के दम पर मॉडलिंग जगत में सैन रेचल उर्फ शंकर प्रिया ने रंग की परवाह किए बिना अलग पहचान बनाई. वो पुडुचेरी के करमनी कुप्पम में रहती थीं. बताया जा रहा है कि किडनी की समस्या के कारण पिछले कुछ दिनों से उनका छ्वद्बक्क–स्रञ्जक्र अस्पताल में इलाज चल रहा था. इसी बीच, बताया जा रहा है कि उन्होंने आज अपने घर पर बड़ी मात्रा में ब्लड प्रेशर की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली. कहा जा रहा है कि कई फैशन शो आयोजित करने के दौरान हुए नुकसान के कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी. पुडुचेरी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है. 2020–2021 में मिस पांडिचेरी, 2019 में मिस डार्क क्वीन तमिलनाडु और उसी वर्ष मिस बेस्ट एटीट्यूड सहित कई खिताब जीत चुकीं रेचल ने ब्लैक ब्यूटी श्रेणी में मिस वर्ल्ड का खिताब भी जीता है.

स्टंटमैन एसएम राजू की दुर्घटना में मौत

कार पलटने का सीन शूट करते समय हुआ भयानक हादसा

चेन्नई (एजंसी)–देश के जाने–माने स्टंटमैन एसएम राजू की सीन शूट करते समय मौत हो गई. इस दुर्घटना के कुछ खौफनाक दृश्य सामने आए हैं, जिनमें राजू तेज़ गति से कार चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं और यही स्टंट उनकी मौत की वजह बन गया. ये हादासा इतना भयंकर था कि क्रू के लोग बुरी तरह सहम गए. टीम और क्रू कार की ओर दौड़ते हुए राजू को बाहर निकालते हुए दिखाई दिए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. राजू की मौत से सेट पर माहौल तुरंत गमगीन हो गया. एसएम राजू के सहयोगी और मित्र, अभिनेता विशाल, इस खबर की पुष्टि करने वाले पहले लोगों में से थे. एक्स पर भावुक श्रद्धांजलि में विशाल ने गहरा दुख जताया. उन्होंने लिखा कि ये मानना मुश्किल है कि स्टंट कलाकार राजू की शूटिंग स्टंट के दौरान मौत हो गई. मैं राजू को इतने सालों से जानता हूं और उन्होंने मेरी फिल्मों में कई बार खतरनाक स्टंट किए हैं. वह बहुत बहादुर इंसान थे, मेरी गहरी संवेदनाएं उनकी फैमिली के साथ है और उनकी आत्मा को शांति मिले. विशाल ने राजू के शोकाकुल परिवार को आजीवन सहारा देने की बात कही. उन्होंने आगे कहा, 卐ईश्वर उनके परिवार को इस दु:ख की घड़ी में और शक्ति प्रदान करे. मैं उनके परिवार के भविष्य के लिए भी

हमेशा मौजूद रहूंगा, क्योंकि मैं भी उसी फिल्म इंडस्ट्री से हूं और इतनी सारी फिल्मों में उनके योगदान के लिए भी. लोकप्रिय स्टंट कोरियोग्राफर स्टंट सिल्वा ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी संवेदनाएं जाहिर की. स्टंट कोरियोग्राफर स्टंट सिल्वा ने लिखा, 卐हमारे महान कार जंपिंग स्टंट कलाकारों में से एक, एस एम राजू का आज कार स्टंट करते समय निधन हो गया, हमारी स्टंट यूनियन और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री उन्हें हमेशा याद रखेगी.卐 एसएम राजू तमिल फिल्म इंडस्ट्री के एक अनुभवी स्टंटमैन थे, जिन्होंने कई फिल्मों में खतरनाक स्टंट को बखूबी किया है. फ़िलहाल, न तो अभिनेता आर्य और न ही निर्देशक पा रंजीत ने इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है. फिल्म %वेटुवन% कथित तौर पर एक मल्टी–स्टारर है, जिसमें शोभिता धुलिपाला, अट्टाकथी दिनेश, कलैयारासन और लिंगेश भी हैं.

वेदांता ने भाजपा को दिया 97 करोड़ का चंदा, कांग्रेस को 10 करोड़

नयी दिल्ली, (एजेंसी) – अरबपति उद्योगपति अनिल अग्रवाल की खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा को चंदा राशि 2024–25 में चार गुना बढ़कर 97 करोड़ रुपये रही। यह राशि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सिर्फ 26 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट उसने पिछले वित्त वर्ष में कुल 157 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा दिया, जो 2023–24 में 97 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, एक तरह जहां भाजपा को दिया गया चंदा चार गुना हो गया, वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को दिया गया चंदा घटकर सिर्फ 10 करोड़ रुपये रह गया। बीते वित्त वर्ष में कंपनी ने बीजू जनता दल को 25 करोड़ रुपये (इससे पिछले वित्त वर्ष में 15 करोड़ रुपये), झारखंड मुक्ति मोर्चा को 20 करोड़ रुपये (इससे पिछले वित्त वर्ष में पांच करोड़ रुपये) और कांग्रेस को 10 करोड़ रुपये (पिछले वित्त वर्ष में भी 49 करोड़ रुपये) का चंदा दिया।

नूंह मे इंटरनेट बंद, 2000 जवानों की तैनाती, ड्रोन से निगरानी

ब्रजमंडल यात्रा को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजंसी)–हरियाणा के नूंह में सोमवार को ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा निकाली जाएगी. इसके मद्देनजर हरियाणा सरकार के गृह विभाग ने सुरक्षा स्थिति को ध्यान में रखते हुए एहतियातन कई कदम उठाए हैं. गृह विभाग की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक, आज शाम 6 बजे से 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी रहेगी. साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आसमान से जमीन तक पैनी नजर रखी जाएगी. नूंह पुलिस ने भारी वाहन चालकों के लिए विशेष एडवाईजरी भी जारी की है.

गृह विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 2000 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों के साथ ही अर्ध सैनिक बलों के जवानों को तैनात किया है. साथ ही ड्रोन से यात्रा की निगरानी की जाएगी. साथ ही अरावली पर्वत में भी हरियाणा पुलिस के कमांडो द्वारा सर्च अभियान चलाया जाएगा और डॉग स्क्वॉयड के अलावा घोड़ा पुलिस भी जिले के अलग–अलग स्थानों पर तैनात

रहेगी. गृह विभाग के आदेशों के मुताबिक, गुरुग्राम–अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए पर भारी वाहनों पर यात्रा के दौरान रोक रहेगी. इसे लेकर एडवाइजरी जारी की गई है. नूंह पुलिस ने 22 जुलाई के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसके मुताबिक, अलवर से सोहना/गुरुग्राम जाने वाले भारी वाहनों को फिरोजपुर झिरका के अम्बेडकर चौक से मुम्बई एक्सप्रेस–वे से केएमपी रेवासन होते हुए सोहना/गुरुग्राम जाने के लिए कहा गया है. वहीं जिन भारी वाहनों को सोहना/गुरुग्राम से अलवर की तरफ जाना हैं, उन्हें केएमपी रेवासन से मुम्बई एक्सप्रेस–वे होते हुए अम्बेडकर चौक फिरोजपुर झिरका से अलवर की तरफ जाने की एडवाइजरी जारी की गई है.

नूंह पुलिस के मुताबिक, तावडू से अलवर की तरफ जाने वाले भारी वाहन केएमपी रेवासन से मुम्बई एक्सप्रेस–वे होते हुए अम्बेडकर चौक फिरोजपुर झिरका से अलवर की तरफ जाएं. साथ ही पलवल, होडल और अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) से अलवर जाने वाले भारी वाहन केएमपी होते हुए मुम्बई एक्सप्रेस–वे से अम्बेडकर चौक फिरोजपुर झिरका से अलवर की तरफ जाएं. यात्रा के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित साथ ही नूंह पुलिस ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि जिन भारी वाहनों को पलवल, होडल व अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) से नूंह जाना हैं, वो ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा समाप्त होने के बाद ही नूंह आएं. वहीं जिन भारी वाहनों को जयपुर से नूंह आना हैं उनके लिए मुम्बई एक्सप्रेस–वे से केएमपी रेवासन होते हुए यात्रा समाप्त होने के बाद नूंह आने की एडवाइजरी जारी की गई है.

नूंह पुलिस ने पुन्हाना से नूंह, गुरुग्राम से नूंह और तावडू से नूंह आने वाले भारी वाहनों को ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा समाप्त के बाद ही नूंह आने के लिए कहा है. एडवाइजरी के मुताबिक, ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान भारी वाहनों का नूंह जिले में प्रवेश वर्जित रहेगा.

गौरतलब है कि पिछले साल ब्रज मंडल यात्रा के दौरान नूंह में बवाल हो गया था. 31 जुलाई को भड़की हिंसा में दो होमगार्ड सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे. यह हिंसा राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी फैल गई थी.

हिमाचल प्रदेश 10वीं, 12वीं कंपार्टमेंट परीक्षा का टाइम टेबल किया जारी

22 जुलाई से एग्जाम शुरू

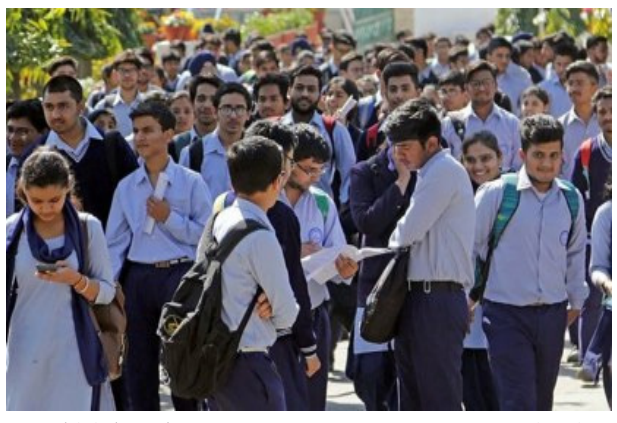

उना (एजंसी)–हिमाचल प्रदेश विद्यालयी शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की कम्पार्टमेंट और सुधार परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है. ये परीक्षाएं 22 जुलाई, 2025 से शुरू होकर एक ही सुबह के सत्र में, सुबह 8ः45 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी. 10वीं की परीक्षाएं 29 जुलाई तक चलेंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 28 जुलाई को समाप्त होंगी. आवेदन 10 जून से शुरू हो चुके हैं और बिना किसी लेट फाइन के 26 जून आवेदन जमा करने की लास्ट डेट है. इस परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स को 700 रु देना होगा. बोर्ड की ओर से

जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, सभी नियमित, कम्पार्टमेंट, एक्स्ट्रा सब्जेक्ट और सुधार परीक्षार्थियों को इस कार्यक्रम का पालन करना होगा. छात्र ॥क्चह्रस्श्व की आधिकारिक वेबसाइट से डेटशीट सेक्शन में जाकर पीडीएफ प्रारूप में डिटेल्स डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं. इस साल, 12वीं एचपीबीओएसई परिणामों से पता चला है कि मार्च में आयोजित परीक्षा में उपस्थित होने वाले 88.64 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं, जो पिछले आंकड़े 83.16 प्रतिशत से सुधार है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल गगरेट के सेंट डी आर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की महक ने 97.2 प्रतिशत नंबरों के साथ टॉप किया है. इसके अलावा, कुल 86,373 छात्रों में से 76,315 पास घोषित किए गए हैं, 3,838 को कंपार्टमेंट कैटगरी में रखा गया है और 5,868 फेल हुए हैं. 17 मई को घोषित शुरुआती नतीजों में 71,591 छात्र पास हुए थे, 5,847 कम्पार्टमेंट में और 8,581 अनुत्तीर्ण घोषित किए गए थे

संपादकीय

सरकार जी उस नशे के साथ इस नशे का समाधान भी ढूंढना होगा

नशे के विरूद्ध अभियान हेतु – ढोल बज रहे हैं
तरह तरह की आवाजे सुन रहे हैं
युद्ध नशेयां विरूद्ध – नशा जड़ से खत्म होगा
नशा बेचने वालों की अब खैर नहीं
नशे के बड़े बड़े सौदागर : पकड़े जा रहे है

सरकार की ओर से नशा बंद करवाना अति उत्तम संकल्प है। नशे के दुष्प्रभाव से समाज में कई प्रकार की त्रुटियाँ उभर कर सामने आ रही हैं ,जैसे कि अपराधिक मामले, व्यक्तिगत जन जीवन अस्त व्यस्त, शरीरिक एवं मानसिक तनाव ग्रस्त, समाज में मान सम्मान में गिरावट, नशे की पूर्ति हेतु परिवारिक जीवन का प्रभावित करना इत्यादि कई कारण होते हैं। समाज में नशे के आदि को नशेडी के नाम से संबोधित कलंकित किया जाता है। सरकार नशे की दलदल से निकालने हेतु योजनाबद्ध ढंग से प्रयास कर रही है – जैसे नौजवान पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रोत्साहन करना, अच्छे खिलाडयों को ईनाम देना, खेल कोटे के अंतर्गत नौकरी का प्रावधान, नशा त्यागने हेतु जागरूक करना एवं सरकारी नशा छुड़ाऊँ केंद्रों में मनोरोग चिकित्सा विशेषज्ञ चिकित्सको की निगरानी में उचित ईलाज करके काम करने हेतु उत्साहित करना। सरकार के प्रशंसनीय प्रयास अब धीरे रंग ला रहे हैं।

–परंतु एक नशा जो छोटे बच्चे से ले कर बूढे तक हम सभी कर रहे हैं ।शायद सरकार या प्रशासन के ध्यान में नहीं आ रहा। जरा सोचो :

– सफेद दूध–मसाले से पकाए जा रहे फल : सब्जियाँ

विशेषज्ञों के अनुसार दूध का उत्पादन अवश्यकता से कहीं कम हैं परंतु हमारी दैनिक अवश्यकताओं की पूर्ति हेतु दूध एवं दूध से बने उत्पादन बनाने हेतु कई हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। ऐसे ही बाहर से आ रहे कच्चे फलों को पकाने हेतु मसाले एवं सब्जियों के अधिक उत्पादन एवं ताजा रखने हेतु मसालों एवं कीट नाशक दवाईयों का उपयोग करने से घातक सिद्ध हो रहा है। डाक्टरों की मानें तो जानलेवा रोगों जैसे : हृदय रोग, गुर्दा रोग, मधुमेह, अलर्जी,आंखों के रोग, जहरीला भोजन,हड्डियो की कमजोरी, फैटी लीवर ,गला रोग इत्यादि सही खान पान की कमी है। लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सरकार को इस विषय पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वैसे सरकार की ओर से स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करना अति सराहनीय है।

आज तक आमने सामने
RNI NO -PUNHIN0/2013/54688
Printed by Mandeep Kaur, Published by Mandeep Kaur, Owned by Mandeep Kaur & Printed at Dashmash Printers 178-179 Ranjit Nagar, Jalnadhar City, Published 87 Ranjit Nagar Near Bus Stand, Jalandhar, Punjab
Editor Surinder Kumar (SK Saxena)
Responsible for selection of News under the PRB ACT.
All Rights Reserved Reproduction in whole or in Part without Permission in Prohibited, All disputes shall be settled at Jalandhar Jurisdiction only
Faxt No. : 0181-5024001, Conact No : 0181-5077100

आवश्यक सूचना
आज तक आमने-सामने का इस समाचार पत्र में मुद्रित वज्ञिापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) के तथ्यों सबंधी कोई दायित्व नहीं है। महारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से अनुरोध है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व सभी तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। –प्रधान संपादक

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में आयोजित रोजगार मेले में शिरकत की

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 51,000 नवनियुक्त युवाओं को बधाई

एसके सक्सैना

कपूरथला, युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और नागरिक कल्याण को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान के तहत, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 जुलाई 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के रोजगार मेले का उद्घाटन किया। देश के 47 केंद्रों पर यह विशाल भर्ती आयोजन एक ही समय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न केंद्रीय विभागों में चयनित 51,000 से अधिक नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला भी इस कार्यक्रम का हिस्सा रही। कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे और चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के महाप्रबंधक श्री एस.एस. मान ने माननीय केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री

श्री कृष्णपाल गुर्जर ने नवनियुक्त युवाओं को बधाई दी और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब तक रोजगार मेलों के माध्यम से 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। इस मौके पर कपूरथला की रेल कोच फैक्ट्री में 64 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से विभिन्न विभागों में नियुक्त युवाओं को देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है और यह रोजगार मेला आने वाले समय में प्रेरक की भूमिका निभाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी रोजगार मेले को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने नवनियुक्त युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि अलग–अलग विभागों में अलग–अलग जिम्मेदारियों के बावजूद, सभी का साझा लक्ष्य ‘राष्ट्र सेवा’ है, जो 卐नागरिक पहले卐 के सिद्धांत द्वारा निर्देशित है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को सलाह दी कि वे लगातार खुद को अपग्रेड करते रहें। उन्होंने कहा, 卐एक बार नियुक्ति मिलने के बाद चुप मत बैठिए, बड़े सपने देखिए और दूर तक जाने की सोचिए। नया सीखते रहिए, नए परिणाम लाइए और निरंतर प्रगति करते रहिए। आपकी प्रगति में ही देश का गौरव और संतोष निहित है।

प्रेस सेवा पोर्टल से प्रेस पंजीकरण संबंधित कार्य में आएगी पारदर्शिता एवं सुगमता–योगेश बावेजा

प्रेस सेवा पोर्टल और प्रेस एवं पत्रिका पंजीकरण अधिनियम, 2023 पर आयोजित हुई हाइब्रिड कार्यशाला

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, –भारत के प्रेस रजिस्ट्रार जनरल (पीआरजीआई) श्री योगेश कुमार बावेजा ने आज पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ क्षेत्र के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के प्रकाशकों के लिए आयोजित एक हाइब्रिड कार्यशाला की अध्यक्षता की। यह कार्यशाला यूटी गेस्ट हाउस, चंडीगढ़ में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और अन्य प्रेस से जुड़े पंजीकरण एवं अन्य कार्य संबंधी प्रक्रियाओं में आने वाली समस्याओं का समाधान करना था। इसके अलावा प्रेस सेवा पोर्टल और प्रेस एवं पत्रिका पंजीकरण अधिनियम, 2023 की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। अपने संबोधन में पीआरजीआई श्री योगेश बावेजा ने कहा कि प्रेस पोर्टल का उद्देश्य

समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के पंजीकरण, रेगुलेटरी और सर्कुलेशन वेरिफिकेशन से जुड़े प्रक्रियाओं में डिजिटल माध्यम से पारदर्शिता और सुगमता लाना है। उन्होंने बताया कि प्रेस सेवा पोर्टल के माध्यम से प्रकाशक अपने पंजीकरण से संबंधित सभी कार्य ऑनलाइन कर सकेंगे, जिससे समय और धन की बचत के अलावा पारदर्शिता के साथ पंजीकरण प्रक्रिया तेज़ी से पूरी की जा सकेगी। जिससे कार्यक्षमता भी बढ़ेगी और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। कार्यशाला के दौरान पीआरजीआई ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रकाशकों की समस्याएं सुनीं और कई मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया। इससे पहले प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो चंडीगढ़ के अपर महानिदेशक श्री विवेक वैभव ने प्रेस महापंजीयक श्री योगेश बावेजा का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला पहली बार चंडीगढ़ में आयोजित की गई है जो समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश के सभी समाचार पत्रों के प्रकाशकों और मालिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

हर शुक्रवार डेंगू ते वार- स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अपने कैबिनेट साथियों के घरों का निरीक्षण

डेंगू से लड़ने के लिए सामूहिक यत्नों की ज़रूरत पर ज़ोर दिया

रमन कुमार

चंडीगढ़, पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह ने आज यहाँ मुख्यमंत्री भगवंत मान की पहल ‘हर शुक्रवार डेंगू ते वार’ के हिस्से के तौर पर अपने कैबिनेट साथियों और विरोधी पक्ष के नेता की रिहायशों का निरीक्षण किया। इस मुहिम के दौरान डैज़र्ट कूलरों, फूलों के गमलों और पक्षियों के लिए पानी के कंटेनरों आदि में मच्छर के लार्वे की मौजूदगी का पता लगा, जिससे इसके तुरंत रोकथाम की ज़रूरत महसूस की गई। डा. बलबीर सिंह ने मच्छरों के प्रजनन स्त्रोतों को ख़त्म करने की महत्ता पर ज़ोर देते हुये कहा कि यदि डेंगू के कारण ब्लीडिंग (हैमोरहैजिक) की समस्या पैदा होती है तो यह बहुत ही घातक बन सकता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर पेचीदगियां पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि हालाँकि सामूहिक

यत्न इसके फैलाव को रोक सकते हैं। उन्होंने पंजाब को डेंगू मुक्त बनाने के लिए मरीज़ों की देखभाल करने वालों, मंत्रियों, विरोधी पक्ष के नेता और लोगों को इकट्ठा काम करने की अपील की।

अनुसूचित जातियों की भलाई हेतु डॉ. बलजीत कौर द्वारा पंजाब अनुसूचित जाति, भूमि विकास और वित्त निगम को योजनाओं की पहुंच ज़रूरतमंदों तक सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

पंकज

चंडीगढ़, मुख्यमंत्री स भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और अनुसूचित जातियों की तरक्की व कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रही है। यह बात सामाजिक न्याय, अधिकारिता व अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने पंजाब सिविल सचिवालय में कही। डॉ. बलजीत कौर ने पंजाब अनुसूचित जाति भूमि विकास एवं वित्त निगम (पी एस सी एल डी एफ सी) के डायरेक्टर श्री रविंदर हंस के साथ समीक्षा बैठक कर निर्देश दिए कि निगम की सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुँचे। निदेशक रविंदर हंस ने बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बड़ी संख्या में जरूरत मंद परिवारो द्वारा सरकारी स्कीमों का लाभ लिया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सुझाव दिया कि हर ज़िले में विशेष कैंप लगाकर लाभार्थियों तक सीधी पहुंच सुनिश्चित की जाए। इस दौरान निगम में कर्मचारियों की कमी,अधिकारियों को आ रही प्रशासनिक चुनौतियों व लंबित मामलों की जानकारी भी दी गई। मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने सभी मुद्दों को ध्यान से सुनने के बाद मौके

पर ही तत्परता से आवश्यक निर्देश जारी किए और भरोसा दिलाया कि बाकी समस्याओं का भी शीघ्र समाधान होगा। उन्होंने एससी कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन को और तेज़ व प्रभावी बनाने पर बल दिया।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी के साथ पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने डेरा सचखंड बल्ला और बाबा मोहन दास आश्रम में टेका मत्था

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर डेरा सचखंड बल्ला के गद्दीनशीन संत निरंजन दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया, पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने गुरु पूर्णिमा की सभी को बधाई दी

एसके सक्सैना

जालंधर, गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जालंधर पहुंचे। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुशील रिंकू के साथ सीएम नायब सिंह सैनी ने डेरा सचखंड बल्ला में मत्था टेका। इस दौरान सीएम सैनी और सुशील रिंकू डेरा सच खंड बल्ला के गद्दीनशीन संत निरंजन दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। सुशील रिंकू के साथ सीएम नायब सिंह सैनी जालंधर में बाबा मोहन दास आश्रम में भी गए। इसके बाद वे सीएम सैनी के साथ डेरा सचखंड बल्ला पहुंचे। डेरा सचखंड बल्ला में सीएम नायब सैनी और सुशील रिंकू काफी देर तक रुके। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने गुरु पूर्णिमा की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब हम कोई पर्व मनाते है तो हमें कुछ संकल्प भी लेना चाहिए। गुरु महाराज ने हमें आशीर्वाद के रूप में ये संकल्प दिए है कि हर व्यक्ति समाज में खुशहाल रहे। सुशील रिंकू ने कहा कि हमें गुरू जी ने जो आशीर्वाद दिया है उसे आगे बढ़ाना है। मैं लंबे समय से गुरू जी के चरणों से जुड़ा हुआ है। गुरू जी ने मुझे लंबे समय से संभाला है। हमें उनके दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। हमें अपने संतों से शिक्षा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। सभी को आज के इस पवित्र पर्व की बधाई देता हूं। इस मोके सरबजीत सिंह मक्कड़, अविनाश चंदर, जिला प्रधान सुशील शर्मा, केडी भंडारी अशोक सरीन हिक्की मौजुद रहे।

जालंधर भाजपा शहरी कार्यकर्त्ताओं ने अश्वनी शर्मा के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने पर जोश की लहर में पटाखे फोड़ और लड्डू बाट कर जशन मनाया

मनदीप कौर

जालंधर–भारतीय जनता पार्टी जालंधर शहरी द्वारा पठानकोट के विधायक श्री अश्वनी शर्मा जी को पंजाब प्रदेश भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने पर ज़िला भाजपा कार्यालय शीतला माता मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। इस दौरान उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखें फोड़ आतिशबाजी भी की।इस मौके भाजपा जिला पदाधिकारीयों और कार्यकताओं ने अश्वनी शर्मा के अध्यक्ष बनने पर खुशी मनाई। इस दौरान उन्होंने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।इस अवसर पर केडी भंडारी ने अश्वनी शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर पार्टी हाईकमान का धन्यवाद किया और कहा कि उनके अध्यक्ष बनने से पार्टी वर्करों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनायेगी। उन्होंने कहा कि शर्मा जी प्रदेश के हर कार्यकर्त्ता की पहली पसंद है।इस मौके राकेश राठौर ने कहा कि अश्वनी शर्मा के अध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं मे उत्साह भाजपा को प्रचंड बहुमत की तरफ़ लेकर जायेगा।उन्होंने कहा कि अश्वनी शर्मा जी का पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़ाव ज़मीनी स्तर का है और आज हर कार्यकर्त्ता खुशी से झूम उठा है।इस अवसर पर अशोक सरीन हिक्की ने कहा कि अश्वनी शर्मा पंजाब में भाजपा के नये युग की नीव रखेंगे और पूरे प्रदेश में उनके अध्यक्ष बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा जगी है और आने वाले समय में पार्टी मजबूती के साथ पंजाब में 2027 में पूर्ण बहुमत से सरकार बनायेगी। इस मौके राजेश कपूर ने कहा कि अश्वनी शर्मा का मिलनसार रवैया,दूरदर्शी सोच और कर्मठता वाली कार्यशैली पूरे प्रदेश में आप और कांग्रेस के झूठ का अंत करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्त्ता ही पार्टी की नींव है और उनके अध्यक्ष बनने से पार्टी आने वाले समय में पूरे प्रदेश में जीत का परचम लहरायेगी।इस मौके प्रदेश भाजपा महामंत्री राकेश राठौर, प्रदेश उपाध्यक्ष केडी भंडारी,पूर्व विधायक शीतल अंगुराल और जगबीर बराड़,जिला भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, और अमरजीत सिंह गोल्डी,राजेश कपूर,जिला उपाध्यक्ष अश्वनी अटवाल,रमन पब्बी, सुभाष सूद,वरिष्ठ भाजपा नेता किशन लाल शर्मा, विनीत धीर,पंकज जुल्का,अजमेर सिंह बादल,प्रमोद कश्यप,सनी शर्मा,मंडल अध्यक्ष आरके शर्मा,कुलवंत शर्मा,आशीष सहगल,गुरप्रीत विक्की,मनीष बल आदि उपस्थित थे।

अश्वनी शर्मा के नेतृत्व मे भाजपा हर बूथ पर मजबूत होगी–के.डी भंडारी, कार्यकर्त्ता मे उत्साह भाजपा को प्रचंड बहुमत के तरफ़ लेकर जायेगा–राकेश राठौर

सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान के खिलाफ प्रचंड प्रदर्शन किया

भगवंत मान की घटिया सोच एवं शब्दों ने सारे देश को शर्मसार किया–सुशील शर्मा

मनदीप कौर

जालंधर, भाजपा जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में गलत शब्दावली का प्रयोग करने पर भगवंत मान के खिलाफ पुतला फूंक कर प्रचंड प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने भगवंत मान की घटिया सोच एवं शब्दों की कड़ी निंदा की और कहा कि उन्होंने सारे देश को शर्मसार किया है। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोरंजन कालिया, जालंधर के पूर्व मेयर एवं प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर, पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू, पूर्व विधायक शीतल अंगूराल, पूर्व प्रदेश सचिव अनिल सच्चर,पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष सूद, रवि महेंदू,,जिला महामंत्री अशोक सरीन हिकी, राजेश कपूर ,अमरजीत सिंह गोल्डी, भाजपा स्पोर्ट्स सेल के प्रदेश अध्यक्ष सनी शर्मा व अन्य उपस्थित थे भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहा कि भगवंत मान हर फंट पर फेल होने की बौखलाहट में अपनी मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि भगवंत मान की बयानबाजी से स्पष्ट होता है कि वे अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। राकेश राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलने वाले भगवंत मान का दिमागी संतुलन खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, जबकि भगवंत मान अपनी बयानबाजी से देश और राज्य को बदनाम कर रहे हैं। शीतल अंगूराल ने कहा कि विदेशों में भगवंत मान को जहाज से उतार दिया जाता है, जबकि मोदी को सत्कार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह भगवंत मान की असफलता को दर्शाता है। मनोरंजन कालिया ने कहा कि भारत का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशों में नाम रोशन किया है, जबकि भगवंत मान ने बदनाम किया है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान को अपनी बयानबाजी पर शर्म आनी चाहिए। सुशील रिंकू ने कहा कि भगवंत मान की बयानबाजी से स्पष्ट होता है कि वे अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा भगवंत मान की बयानबाजी की कड़ी निंदा करती है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करती है। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अश्विनी भंडारी ,दविंदर भारद्वाज, दर्शन लाल भगत, योगेश मल्होत्रा, मनोज अग्रवाल ,पार्षद राजीव ढींगरा ,पार्षद पति अमित सिंह संधा, पार्षद कुंवर सरताज, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष मनजीत सिंह टीटू, पार्षद अजय बबल, पार्षद कृष्णा मेनिया, रविंद्र धीर, अश्वनी ढड, जॉर्ज सागर,अजय जोशी,विपन सभरवाल, सनी शर्मा ,जिला सचिव अमित भाटिया ,मंडल अध्यक्ष मनीष बल, सुनील चोपड़ा, प्रमोद कश्यप, अजमेर सिंह बादल, मंडल अध्यक्ष कुणाल शर्मा, अजय ठाकुर, शालू कुमारी, दीपाली बगड़िया,किशन लाल शर्मा, क्षितिज ढल, ऋषि बहल, राजन शर्मा नितिन बहरोल नीरज गुप्ता, अर्जुन सिंह हैप्पी, गौरव राय, ललित बब्बू,व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे

पंजाब की 10 लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा योजना एक क्रांतिकारी कदम-अमृतपाल सिंह

रमन कुमार

जालंधर,– जिला योजना कमेटी के चेयरमैन अमृतपाल सिंह ने मंगलवार को पंजाब सरकार द्वारा सभी नागरिकों के लिए 10 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के फैसले को राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। एक बयान में श्री सिंह ने कहा कि यह ऐतिहासिक योजना सुनिश्चित करेगी कि कोई भी नागरिक वित्तीय बाधाओं के कारण उपचार से वंचित न रहे, क्योंकि यह व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रत्येक व्यक्ति के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों के कल्याण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमृतपाल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अपग्रेड करने के लिए पहले से ही कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं और अब यह स्वास्थ्य बीमा कवरेज पंजाब के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और सफलता की कहानी लिखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में अच्छा इलाज करवा सकेंगे, जो पहले वित्तीय बाधाओं के कारण उनकी पहुंच से बाहर थे। चेयरमैन ने जोर देकर कहा कि यह निर्णय स्वस्थ पंजाब की नींव रखेगा और आम नागरिकों पर इलाज के खर्च का बोझ कम करेगा।

कहा, सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में कदम

सुशील रिंकू का प्रयास रंग लाया, अब जालंधर कैंट रुकेगी दिल्ली-कटड़ा वन्देभारत ट्रेन

सुशील रिंकू ने कुछ दिन पहले रेल मंत्री से मिल कर इसकी मांग रखी थी

पंकज

जालंधर, –पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू का एक और प्रयास रंग लाया है। रिंकू की मांग पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली–कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रैस को जालंधर कैंट स्टेशन पर रुकने की मंजूरी दे दी है। आपको बता दें कि बीते दिनों पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से दिल्ली में मुलाक़ात कर मांग पत्र सौंपा था। रिंकू ने रेल मंत्री से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलने वाली दिल्ली–कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रैस को जालंधर कैंट स्टेशन रुकने की मांग की थी। बता दे कि लंबे समय से जालंधर, होशियारपुर, नकोदर, कपूरथला सहित आस–पास के जिलों के श्रद्धालु यह मांग कर रहे थे कि श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन हेतु उन्हें दिल्ली–कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रैस का सीधा लाभ मिल सके। वहीं यह मांग उनकी पूरी हो गई है। रेलवे द्वारा जारी किए गए पत्र संख्या 701 के अनुसार गाडी संख्या 22439 (नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा) अब जालंधर कैंट स्टेशन पर सुबह 10.04 बजे पहुंचेगी और 10.06 बजे रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 22440 (कटरा से नई दिल्ली) शाम 6.51 बजे जालंधर कैंट पहुंचेगी और 6.53 बजे रवाना होगी। हालांकि जालंधर कैंट पर ठहराव देने के कारण ट्रेन के समय में कुछ बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 22439 अब जम्मू डिवीजन के भोगपुर स्टेशन पर 5 मिनट देरी से पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 22440 अंबाला डिवीजन के साहनेवाल स्टेशन पर 5 मिनट की देरी से पहुंचेगी। इस बदलाव के चलते अब जम्मू और अंबाला डिवीजनों को इन ट्रेनों की समय–सारिणी में मामूली बदलाव करना पड़ेगा। इस फैसले से ना केवल जालंधर बल्कि आस–पास के इलाकों के श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। अब वे माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कम समय में और अधिक आरामदायक यात्रा कर सकेंगे। बता दे कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष पहले भी ये मुद्दा उठाया गया था और उनसे वंदे भारत एक्सप्रैस को जालंधर कैंट स्टेशन पर रुकने की मांग की थी लेकिन बीती 3 जुलाई को सुशील रिंकू ने रेल मंत्री से दोबारा मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा था जिसके चलते अब उनकी मांग मान ली गई है।

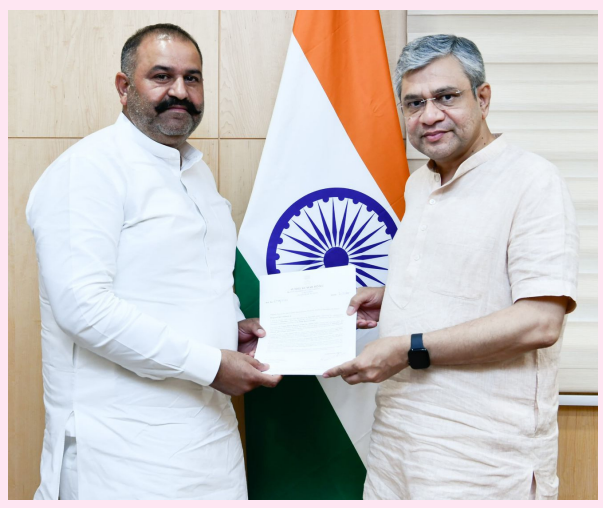

युद्ध नशे के विरुद्ध ; नशे पर अंकुश लगाने में गांव निवासियों को सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने 5 गाँवों के निवासियों और ग्राम विकास समिति के सदस्यों के साथ बैठक की

एसके सक्सैना

जालंधर, ‘–पुलिस कमिश्नर जालंधर श्रीमती धनप्रीत कौर ने आज कमिश्नरेट जालंधर के अंतर्गत आने वाले 5 गाँवों लखनपाल, जंडियाला मंझकी, धनी पिंड, समराय और सरहाली के ग्रामीणों सहित लगभग 30 ग्राम विकास समिति के सदस्यों के साथ एक विशेष बातचीत का सेशन आयोजित किया। यह बैठक पंजाब सरकार के चल रहे राज्यव्यापी नशा विरोधी अभियान युद्ध नशे के विरुद्ध के तहत आयोजित की गई थी। इस अवसर पर, पुलिस कमिश्नर जालंधर ने ग्राम विकास समिति के सदस्यों और स्थानीय निवासियों से नशे के कारोबार को जमीनी स्तर से खत्म करने में पुलिस का सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नशे की बुराई पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक सतर्कता और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया। पुलिस विभाग के संकल्प को दोहराते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि जालंधर पुलिस नशे की गतिविधियों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अपने प्रयासों को तेज करेगी। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा में गश्त बढ़ाई जाएगी और समग्र सुरक्षा उपायों को और मज़बूत किया जाएगा। ज़ीरो–टॉलरेंस पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि नशे के व्यापार में शामिल किसी भी व्यक्ति के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता की सराहना की और आश्वासन दिया कि विभाग नशा मुक्त समाज बनाने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

कैबिनेट मंत्री ने ई.एस.आई. अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया, पंजाब सरकार की 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना को ऐतिहासिक कदम बताया

मनदीप कौर

जालंधर, लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज स्थानीय ई.एस.आई. अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर, कैबिनेट मंत्री ने ओ.पी.डी., इमरजेंसी विभाग, आंखों, हड्डियों, दांतों, मेडिसन, सर्जरी विभाग सहित विभिन्न विभागों का दौरा किया और अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से भी बातचीत की और अस्पताल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उनकी प्रतिक्रिया ली। मरीजों को दी जा रही सेवाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए, श्री भगत ने अस्पताल अधिकारियों से इन्हें और बेहतर बनाने का आग्रह किया ताकि ई.एस.आई. लाभार्थियों को समय पर, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। उन्होंने कहा कि ई.एस.आई में नियमित रूप से योगदान देने वाले प्रत्येक कर्मचारी को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में कर्मचारियों को और अधिक जागरूक करने पर भी ज़ोर दिया। मीडिया से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने हमेशा स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी है और स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने के लिए कई पहल की है। सभी नागरिकों को 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के पंजाब सरकार के फ़ैसले को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे बड़ी संख्या में लोग उच्च–गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। विशेषकर वे लोग जो आर्थिक तंगी के कारण अपना इलाज नहीं करवा पाते। श्री भगत ने कहा कि इस योजना को बिना किसी पक्षपात के लागू करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य के हर घर को एक स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया जाए। इस अवसर पर मैडिकल सुपरडेंट डा.वंदना, डा.नमिता घई, डा.विश्वास लूथरा और अस्पताल का अन्य स्टाफ भी मौजूद था।

पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडब्ल्यू), पटियाला ने 16वें रोज़गार मेले की मेजबानी की

एसके सक्सैना

पटियाला, - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12.07.2025 को देशभर में 47 स्थानों पर आयोजित 16वें रोज़गार मेले के अंतर्गत सरकारी विभागों में नियुक्त नए अभ्यर्थियों को 51,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन नव नियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया। यह रोज़गार मेला प्रधानमंत्री की युवा वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराने तथा नागरिकों के कल्याण हेतु निरंतर प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार, सभी मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा मिशन मोड में स्वीकृत पदों के विरुद्ध रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है। यह भव्य कार्यक्रम पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (क्रुङ्ख), पटियाला

में 12.0 7.2025 को आयोजित किया गया। क्रुङ्ख पटियाला में आयोजित इस रोज़गार मेले के दौरान कुल 216 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। श्री राजेश मोहन, प्रमुख मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (क्ष्ट्ट्ठ), क्रुङ्ख द्वारा इन नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया। इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति रेलवे मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग आदि में की गई है। ये भर्तियाँ रेलवे भर्ती बोर्ड तथा अन्य केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा की गई हैं। त्वरित नियुक्ति हेतु चयन प्रक्रियाओं को सरल और तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है। नव नियुक्त युवाओं ने इस अवसर पर नियुक्ति पत्र पाकर अत्यंत उत्साह दिखाया और प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोहिंदर भगत के अथक प्रयासों से बागवानी सेवा नियमों में ऐतिहासिक संशोधन

मनदीप कौर

चंडीगढ़, प्रशासनिक सुधारों और राज्य में बागवानी क्षेत्र को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पंजाब बागवानी (ग्रुप–ए) सेवा नियम, 2015 में संशोधन के लिए एक गजट अधिसूचना जारी की है। यह आवश्यक सुधार बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत के नेतृत्व में सुझाया गया, जो लंबे समय से बागवानी क्षेत्र के अधिकारियों के लिए बेहतर सेवा शर्तों की पैरवी करते आ रहे हैं। इस अधिसूचना की सराहना करते हुए बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने कहा कि यह संशोधन हमारे अधिकारियों को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने आगे कहा, 卐मैं इस संशोधन को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान का आभार प्रकट करता हूं। यह सेवा नियमों में किया गया सुधार बागवानी क्षेत्र में बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई, 2025 की अधिसूचना संख्या त्रस्क्र.106/संविधान/अनुच्छेद 309/संशोधन (3)/2025, दिनांक 2 जुलाई 2025 और 4 जुलाई 2025 को पंजाब सरकार के राजपत्र में प्रकाशित जानकारी के अनुसार, बागवानी विकास अधिकारियों और रेशम पालन विभाग के अधिकारियों के वेतनमानों को तर्कसंगत बनाने हेतु नियमों में संशोधन किया गया है। यह लंबे समय

पंजाब सरकार ने बागवानी (ग्रुप–ए) सेवा नियम, 2015 में किया संशोधन

से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार सेवा नियमों में विशेषकर सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत वेतनमानों को लागू करने संबंधी मामलों में एकरूपता और स्पष्टता लाएगा। उन्होंने बताया कि यह संशोधन बागवानी कैडर के कई क्षेत्रों को कवर करता है, जिनमें संरक्षित खेती, जैव–प्रौद्योगिकी, मधुमक्खी पालन, विपणन सूचना, एयरोपोनिक्स, नर्सरी उत्पादन, नींबू उत्पादन व प्रशिक्षण, कटाई के बाद प्रबंधन, मशरूम, कीट विज्ञान, रोगविज्ञान, मृदा व रेशम कीट पालन शामिल हैं। यह संशोधन 17 जुलाई 2020 या इसके बाद नियुक्त किए गए अधिकारियों के वेतनमानों में समानता लाएगा।

चावल मिलर्स और अन्य हितधारकों की समस्याओं के समाधान हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत-मंत्री समूह

पंजाब सरकार खरीद प्रक्रिया में शामिल सभी भागीदारों को विकास में सक्रिय सहयोगी मानती है, अब तक 105 लाख मीट्रिक टन अनाज की निकासी हो चुकी है

रमन कुमार

चंडीगढ़, चावल और गेहूं की निर्बाध व सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित मंत्री समूह ने आज पंजाब के चावल मिल मालिकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं और चिंताएं ध्यानपूर्वक सुनीं और उनकी वाजिब मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मंत्री समूह के चेयरमैन तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में, आगामी खरीफ सीजन की व्यवस्थित खरीद को सुनिश्चित करने हेतु व्यापक प्रबंध कर रही है। उन्होंने कहा कि धान की बुआई शुरू हो चुकी है और मिलर्स सहित सभी हितधारकों की जरूरतों व चिंताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक स्तर पर गंभीर प्रयास जारी हैं, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित

हो। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने मीडिया से बातचीत में बताया कि मिलर्स ने राज्य सरकार की सराहना की है, जिन्होंने महीनों पहले ही खरीफ सीजन की तैयारियाँ शुरू कर दी थीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं मिलर्स से संबंधित सभी वैध मुद्दों के निराकरण के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं और शीघ्र ही वह इस विषय पर केंद्र सरकार के अधीन मामलों को लेकर नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से भेंट करेंगे। किसानों, चावल मिलर्स, आढ़तियों और मजदूरों सहित सभी हितधारकों को आश्वस्त करते हुए कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि राज्य सरकार उनकी जायज़ माँगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अनाज के भंडारण के लिए स्थान सुनिश्चित करने की दिशा में अब तक राज्य से 105 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) अनाज की निकासी की जा चुकी है। परिवहन और जेल मंत्री स लालजीत सिंह भुल्लर ने चावल मिलर्स को खरीद प्रक्रिया की रीढ़ की हड्डी करार दिया और कहा कि राज्य सरकार उनकी भलाई हेतु हरसंभव कदम उठा रही है। वहीं, जल संसाधन मंत्री श्री वरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि सरकार सभी भागीदारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उन्हें सिर्फ खरीद प्रक्रिया में ही नहीं, बल्कि पंजाब के समग्र विकास में सक्रिय भागीदार मानती है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले श्री राहुल तिवारी, निदेशक श्री वरिंदर कुमार शर्मा, पंजाब मंडी बोर्ड के सचिव श्री रामवीर, पनसप की एमडी श्रीमती सोनाली गिरी, तथा चावल मिलर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आप सरकार पंजाब के हितों की रक्षा के लिए डटकर खड़ी रहेगी-अमन अरोड़ा

पंकज

चंडीगढ़, पिछली सरकारों पर राज्य के हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रधान एवं कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी। वह पंजाब विधानसभा में जल संसाधन मंत्री द्वारा बी.बी.एम.बी. संस्थानों में सीआईएसएफ की तैनाती के विरोध में पेश किए गए अधिकारिक प्रस्ताव पर सदन को संबोधित कर रहे थे। श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है और इसका जीवन किसानों, खेतों और पानी के इर्द–गिर्द घूमता है। उन्होंने पिछली सरकारों की संकीर्ण मानसिकता और दूरदर्शिता की कमी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने केवल चुनावी लाभों को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है और लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या इसकी निर्भर है।

'आप' प्रधान ने पिछली सरकारों पर प्रदेश के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया, पंजाब पुलिस बी.बी.एम.बी. इकाइयों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम–अरोड़ा

मुख्य मंत्री के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट की ओर से नागरिकों को 10 लाख रुपए तक का नकद रहित इलाज प्रदान करने के लिए 'मुख्य मंत्री सेहत योजना' को मंजूरी

ऐतिहासिक पहल लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना पंजाब

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने देश की अपनी तरह की पहली योजना, मुख्य मंत्री सेहत योजना को आज मंजूरी दे दी। इसके तहत राज्य के निवासी 10 लाख रुपए तक का चिकित्सा उपचार नकद रहित करवा सकेंगे। इस संबंध में निर्णय यहां मुख्य मंत्री के नेतृत्व में उनके आधिकारिक निवास पर हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। इसका खुलासा करते हुए मुख्य मंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब के लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान करने वाली यह योजना 2 अक्टूबर से शुरू होगी। मुख्य मंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत राज्य का प्रत्येक परिवार 10 लाख रुपए तक का नकद रहित इलाज करवाने में सक्षम होगा। इसके साथ ही पंजाब देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां प्रत्येक परिवार को स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक योजना के तहत लाया गया है। इस योजना का लाभ पंजाब की कुल तीन करोड़ आबादी को होगा और अब तक 550 से अधिक निजी अस्पतालों को इस योजना के लिए सूचीबद्ध किया गया है, जिसे आने वाले दिनों में एक हजार तक बढ़ाया जाएगा। पहले प्रत्येक परिवार केवल पांच लाख रुपए तक का इलाज करवा सकता था, इस सीमा को अब बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया गया है। इस पहल की शुरुआत के साथ पंजाब ने देश के लिए एक नई मिसाल कायम की है और पंजाब ऐसा पहला राज्य बन गया है जो अपने नागरिकों को स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बिजली और बस यात्रा मुफ्त प्रदान कर रहा है। गुरु साहिबान की ओर से दिखाए गए 'सरबत के भले' के सिद्धांत पर चलते हुए पंजाब सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की भलाई सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इस योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों सहित पंजाब का प्रत्येक नागरिक मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ प्राप्त करने के लिए पात्र होगा, इसके लिए आय की कोई सीमा नहीं है। पहले आय सीमा के मापदंड के कारण केवल चयनित परिवारों को ही इस योजना के तहत लाभ मिलता था, लेकिन अब सभी पंजाब निवासियों को इसका लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड, सेवा केंद्र या कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से जारी किए जाएँगे। इसके अलावा, लोग अपने वोटर कार्ड या आधार कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से भी स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के तहत इलाज सभी सरकारी अस्पतालों और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपलब्ध होगा, और अब पंजाब के किसी भी निवासी को वित्तीय तंगी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। निवेशकों को हो रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल ने 4 जून, 2025 से पॉपुलर एक्ट या मेगा प्रोजेक्ट नीति के तहत विकसित किए गए प्रोजेक्टों से सीएलयू, ईडीसी, एलएफ और अन्य शुल्क वसूलने के लिए अधिसूचना लागू करने का निर्णय लिया है। पंजाब में ये शुल्क 4 जून, 2025 की व्यापक अधिसूचना के माध्यम से राज्य में स्थापित किए जाने वाले सभी नए रियल एस्टेट प्रोजेक्टों और 1 अप्रैल, 2025 से चल रहे प्रोजेक्टों की नई विस्तार योजनाओं पर लागू किए गए थे। अब मंत्रिमंडल ने इस अधिसूचना को 4 जून, 2025 से लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत यह निर्धारित किया गया है कि 4 जून, 2025 तक जमा किए गए प्रोजेक्टों से पुरानी नीति के अनुसार शुल्क लिया जाएगा और 4 जून, 2025 के बाद जमा की गईं अर्जियों से नई दरें लागू होंगी, जो 4 जून, 2025 से प्रभावी होंगी।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गुरु पूर्णिमा

मनदीप कौर

पंचकूला, - राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला में गुरुवार, 10 जुलाई, 2025 को गुरु पूर्णिमा का पावन अवसर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम संस्थान की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत बीएएमएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भावपूर्ण गुरु वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रभारी डीन प्रो. सतीश गंधर्व, प्रो. प्रह्लाद रघु, डॉक्टरों एवं संस्थान के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. गंधर्व ने छात्रों के भविष्य को आकार देने और उन्हें शैक्षणिक व व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करने में गुरुओं (शिक्षकों) की अनिवार्य भूमिका पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में प्रो. प्रह्लाद रघु ने शिक्षक की भूमिका की तुलना एक कुम्हार से की, जो धैर्य और कुशलता से कच्ची मिट्टी को सुंदर आकार देता है, और इस प्रकार युवा मन को गढ़ने में शिक्षकों की अहम ज़िम्मेदारी को रेखांकित किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में और अधिक रंगत और जीवंतता आई। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास और व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता की भावना को भी प्रबल करते हैं। कार्यक्रम का समापन आत्मचिंतन और शाश्वत गुरु–शिष्य परंपरा के प्रति नवनवीन श्रद्धा के साथ हुआ। संस्थान ने कार्यक्रम की सफलता में उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए कुलपति प्रो. संजीव शर्मा तथा डीन (शैक्षणिक एवं प्रशासनिक) प्रो. गुलाब पामनानी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पूलिंग पॉलिसी पंजाबियों के हितों के खिलाफ-विजय सांपला

पंजाब के शहरों को छोड़ ग्रामीण विरासत और संस्कृति को बिना नुकसान पहुंचाए शहरी स्तर की सुविधाएं योजनाबद्ध तरीके से मुहैया करवाए आप सरकार–विजय सांपला

एसके सक्सैना

जालंधर –भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय सांपला ने पंजाब सरकार की लैंड पुलिंग नीति के खिलाफ भूमि अधिग्रहण के अहम मुद्दे को लेकर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर गंभीरता से पक्ष रखते हुए कहा कि यह नीति बड़े जमीन मालिकों और प्राइवेट डेवलपरों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई है, जबकि छोटे किसानों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब का किसान भी बर्बाद हो जाएगा, जिसके पास कोई अन्य आय का साधन नहीं बचेगा। और जब किसी प्रदेश की कृषि नीचे गिरती है, तो इसका असर आवाजाही, व्यापार से लेकर समाज के हर क्षेत्र पर पड़ेगा, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को खोखला कर देगा। उन्होंने कहा कि आज अपने खेतों का राजा पंजाब का किसान कल उसी के खेत में कटी कॉलोनी का गार्ड बनकर खड़ा होने के लिए मजबूर होगा।विजय सांपला ने कहा कि इस लैंड पूलिंग योजना से पंजाब सरकार प्लॉट दिए जाने तक 30,000 रुपये प्रति एकड़ सालाना देगी। इससे किसान का नुकसान पहले दिन से ही शुरू हो जाता है, क्योंकि इस समय ज़मीन का ठेका 80–85 हज़ार रुपये प्रति एकड़ सालाना चल रहा है, तो फिर पंजाब सरकार कम क्यों दे रही है? उन्होंने कहा कि सरकार प्लॉट देने में सफल हो या न हो, तीन साल बाद यह पैसा आना भी बंद हो जाएगा।नोटिफ़िकेशन के बाद ज़मीन पर हर तरह की रोक लग जाती है। सरकार द्वारा प्लॉट मिलने से पहले, अगर खेत मालिक किसान/ज़मीनदार को कोई ज़रूरत पड़ जाए, तो वह न तो अपनी ज़मीन बेच सकता है और न ही बैंक से इस पर ऋण ले सकता है। उन्होंने कहा कि इस नीति में एक एकड़ से कम ज़मीन वाले किसान को न तो ठेका मिलेगा और न ही कमर्शियल प्लॉट मिलेगा जिससे किसान और उसका परिवार बेरोज़गार हो जाएगा।विजय सांपला ने कहा कि किसान एक साल में तीन फ़सलें लगाकर औसतन 2 लाख रुपये सालाना मुनाफ़ा कमाता है। फिर सरकार द्वारा दिए 30,000 रुपये प्रति एकड़/सालाना से उसका क्या बनेगा? उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की दमनकारी नीति प्रदेश के 1,200 गांवों में से 158 गांवों की 40,000 एकड़ से अधिक जमीन को निशाना बना रही है जोकि बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि जालंधर की लगभग 1,000 एकड़ भूमि अधिग्रहण करके सरकार गरीब किसान के साथ अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में पहले ही 42ब से अधिक शहरीकृत है और अब और शहरों के विस्तार की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि पहले से कटी कई आवासीय योजनाएं आधी से अधिक खाली पड़ी हैं और अतिरिक्त जमीन खरीदने के बजाय, मौजूदा कॉलोनियों को बेहतर ढंग से बसाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने [illegible] एक्ट–2013 के तहत किसानों की जमीन खरीदने के लिए बाजार दर के हिसाब से करोड़ों रुपये का भुगतान करने से बचने के लिए गलत रास्ते का इस्तेमाल किया है।इससे किसानों को उनकी जमीनों के उचित मूल्य से वंचित कर दिया गया और प्रभावित परिवारों को उनकी जमीनों का उचित मुआवजा, पारदर्शिता और उचित पुनर्वास जैसे महत्वपूर्ण अधिकारों से वंचित कर दिया गया।उन्होंने कहा कि इस नीति से पंजाबी विरासत का विनाश और पंजाब का असली और एकमात्र पूंजी, पंजाब की आत्मा, यहां के गांव, खेत, सथान, पशु धन ही तो हैं। अगर यहां की जमीनें ही नहीं रहेंगी और यहां कंक्रीट के जंगल ही बना दिए गए, तो हमारा समृद्ध पंजाबी विरासत कैसे जीवित रहेगा? उन्होंने कहा कि पंजाब को और शहरों की नहीं बल्कि ग्रामीण विरासत, संस्कृति को बिना नुकसान पहुंचाए, यहां शहरी स्तर की सुविधाएं योजनाबद्ध तरीके से मुहैया करवाकर विकास करने की आवश्यकता है।इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा, प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर, प्रदेश उपाध्यक्ष केडी भंडारी,पूर्व विधायक जगबीर बराड़,जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश शर्मा,जिला प्रवक्ता सन्नी शर्मा, गौरव राय,दीवान अमित अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

पंजाब विधान सभा द्वारा दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि भेंट

मनदीप कौर

चंडीगढ़, पंजाब विधान सभा ने आज विधान सभा के पिछले सैशन के बाद दिवंगत हुई हस्तियों सहित अहमदाबाद हवाई जहाज़ हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि भेंट की। 16वीं पंजाब विधान सभा के 9वें (विशेष) सैशन के दौरान सदन ने तरन तारन के विधायक डा. कश्मीर सिंह सोहल, पूर्व केंद्रीय मंत्री स. सुखदेव सिंह ढींडसा, प्रसिद्ध लेखक डा. रत्न सिंह जग्गी, शहीद नायक श्री सुरिन्दर सिंह, शहीद लांस नायक श्री बलजीत सिंह, शहीद लांस नायक श्री गुरप्रीत सिंह, अबोहर के कारोबारी श्री संजय वर्मा और अहमदाबाद में हाल ही में हुए हवाई जहाज़ हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि भेंट की। समूचे सदन ने श्रद्धांजलि देते सम्मान के तौर पर दिवंगत आत्माओं की याद में दो मिनट का मौन भी रखा।

कैबिनेट मंत्री ने ई.एस.आई. अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया, पंजाब सरकार की 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना को ऐतिहासिक कदम बताया

पंकज

जालंधर, लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज स्थानीय ई.एस.आई. अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर, कैबिनेट मंत्री ने ओ.पी.डी., इमरजेसी विभाग, आंखों, हड्डियों, दांतों, मेडिसन, सर्जरी विभाग सहित विभिन्न विभागों का दौरा किया और अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से भी बातचीत की और अस्पताल में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उनकी प्रतिक्रिया ली। मरीजों को दी जा रही सेवाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए, श्री भगत ने अस्पताल अधिकारियों से इन्हें और बेहतर बनाने का आग्रह किया ताकि ई.एस.आई. लाभार्थियों को समय पर, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। उन्होंने कहा कि ई.एस.आई में नियमित रूप से योगदान देने वाले प्रत्येक कर्मचारी को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में कर्मचारियों को और अधिक जागरूक करने पर भी ज़ोर दिया। बाद में, मीडिया से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने हमेशा स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी है और स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने के लिए कई पहल की है। सभी नागरिकों को 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के पंजाब सरकार के फ़ैसले को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे बड़ी संख्या में लोग उच्च–गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। विशेषकर वे लोग जो आर्थिक तंगी के कारण अपना इलाज नहीं करवा पाते। श्री भगत ने कहा कि इस योजना को बिना किसी पक्षपात के लागू करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य के हर घर को एक स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया जाए। इस अवसर पर मैडिकल सुपरडेंट डा.वंदना, डा.नमिता घई, डा.विश्वास लूथरा और अस्पताल का अन्य स्टाफ भी मौजूद था।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आश्वासन के बाद परिवहन विभाग की यूनियनों ने हड़ताल वापस ली

रमन कुमार

चंडीगढ़, – पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज राज्य के परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि वे आगामी 15 दिनों के भीतर विभाग की विभिन्न यूनियनों के साथ बैठक कर उनकी मांगों पर विचार करें और उनकी अध्यक्षता वाली कैबिनेट सब–कमेटी को एक ठोस रिपोर्ट सौंपें। इस निर्देश के बाद विभाग की हड़ताल पर गई यूनियनों ने अपनी हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने ये निर्देश पंजाब भवन में यूनियनों के साथ लगभग दो घंटे चली बैठक के दौरान जारी किए। इस बैठक में परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, परिवहन सचिव वरुण रूज़म, स्टेट ट्रांसपोर्ट डायरेक्टर–कम–मैनेजिंग डायरेक्टर पनबस राजीव गुप्ता और पीआरटीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर बिक्रमजीत सिंह शेरगिल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री द्वारा पंजाब को सिंधु नदी के जल में से न्यायोचित हिस्सा देने की मांग

पंजाब के पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं, देश के लिए दी गई कुर्बानियों और योगदान के बदले पंजाब का हक़ और भी बढ़ जाता

कैप्टन सुभाष चंदर

नई दिल्ली, –मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज फिर स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए एक बूंद भी अतिरिक्त पानी नहीं है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने सिंधु नदी के पानी में हिस्सा मांगने के साथ–साथ सतलुज यमुना लिंक (एस.वाई.एल.) नहर के बजाय यमुना सतलुज लिंक (वाई.एस.एल.) नहर का विचार भी प्रस्तुत किया। आज यहां श्रम शक्ति भवन में एक बैठक में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है, इसलिए एक बूंद भी साझा करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने फिर कहा कि पंजाब के पास अतिरिक्त पानी नहीं है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार राज्य में पानी की उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन कराने की आवश्यकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के अधिकांश ब्लॉक पहले ही खतरे की कगार पर पहुंच चुके हैं और राज्य में भूजल की स्थिति गंभीर हालत में है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई नदी स्रोत सूख चुके हैं, जिसके कारण सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए और पानी की आवश्यकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि पंजाब के पास बहुत कम पानी है, जो किसानों को फसल उगाने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब पंजाब खुद ऐसी स्थिति का सामना कर रहा हो, तो किसी अन्य राज्य को एक बूंद भी अतिरिक्त देने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव रखा कि सिंधु जल संधि पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और पश्चिमी नदियों से पानी लाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए ताकि पानी की मांग को पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने के अवसर का उचित उपयोग किया जाना चाहिए ताकि राज्य की पानी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के हालिया फैसले ने भारत से सटी पश्चिमी नदियों (सिंधु, जेहलम और चिनाब) से पानी का अधिकतम उपयोग करने की बड़ी संभावनाएं पैदा की हैं।

इस दौरान भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब इस समय भूजल के गिरते स्तर की समस्या से जूझ रहा है, इसलिए राज्य को नदी जल के उपयोग, प्रवाह और वितरण के लिए भविष्य की रणनीतियों में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी नदियों का पानी प्राथमिकता के आधार पर पंजाब को दिया जाना चाहिए और हिमाचल प्रदेश में मौजूदा भाखड़ा और पौंग बांधों के ऊपर नए जलाशय बांध बनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पश्चिमी नदी जल के भंडारण और नियमन में काफी वृद्धि होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समय की मांग है कि पंजाब को उचित मुआवजा दिया जाए, जिसने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए पानी और उपजाऊ भूमि जैसे अनमोल प्राकृतिक संसाधनों को भी दांव पर लगा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से चल रहे शारदा–यमुना लिंक प्रोजेक्ट को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना चाहिए और अतिरिक्त पानी को उचित स्थान पर यमुना नदी में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे उपलब्ध अतिरिक्त पानी हरियाणा की रावी–ब्यास व्यवस्था से पानी के संतुलन की जरूरत को पूरा कर सकता है, साथ ही दिल्ली की लगातार बढ़ती पेयजल जरूरत और राजस्थान को यमुना के पानी की उपलब्धता को पूरा कर सकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उपरोक्त परिस्थितियों के अनुसार एस.वाई.एल नहर के निर्माण के मुद्दे को टाला जा सकता है और इसे हमेशा के लिए त्याग दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की मांगों को पूरा करने के लिए शारदा–यमुना लिंक का निर्माण किया जाना चाहिए ताकि शारदा के अतिरिक्त पानी को यमुना नदी में स्थानांतरित किया जा सके और चिनाब के पानी को रोहतांग सुरंग के माध्यम से ब्यास नदी में मोड़ा जा सके, ताकि एस.वाई.एल नहर की आवश्यकता को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि एस.वाई.एल मामले (ओ.एस नंबर–6 ऑफ 1996) के संबंध में कार्यवाही को तब तक स्थगित रखा जा सकता है जब तक रावी–ब्यास ट्रिब्यूनल का फैसला नहीं आ जाता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच यमुना के पानी के वितरण के 12 मई, 1994 के समझौते की समीक्षा 2025 के बाद की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने मांग की कि पंजाब को यमुना के पानी के वितरण में हिस्सेदार राज्य के रूप में शामिल किया जाए और यमुना के पानी का वितरण करते समय शारदा–यमुना के 60 प्रतिशत पानी को पंजाब के लिए विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि सतलुज यमुना लिंक (एस.वाई.एल) नहर के बजाय इस प्रोजेक्ट को अब यमुना सतलुज लिंक (वाई.एस.एल) के रूप में पुनर्विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि सतलुज नदी पहले ही सूख चुकी है और इसमें से एक बूंद भी पानी साझा करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गंगा और यमुना का पानी सतलुज नदी के माध्यम से पंजाब को आपूर्ति किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एस.वाई.एल नहर एक %भावनात्मक मुद्दा% है। पंजाब की कानून व्यवस्था के लिए यह गंभीर मुद्दा होगा और यह राष्ट्रीय समस्या बन जाएगा, जिसका खामियाजा हरियाणा और राजस्थान को भी भुगतना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि एस.वाई.एल नहर के लिए आज तक जमीन भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन नदियों के 34.34 एमएएफ पानी में से पंजाब को केवल 14.22 एमएएफ पानी आवंटित किया गया था, जो 40 प्रतिशत है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाकी 60 प्रतिशत हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान को आवंटित किया गया था, हालांकि इनमें से कोई भी नदी वास्तव में इन राज्यों से होकर नहीं बहती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को पहले ही पंजाब की रावी, ब्यास और सतलुज नदियों से कुल 5.95 एमएएफ (रावी–ब्यास से 1.62 एमएएफ और सतलुज से 4.33 एमएएफ) पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रावी, ब्यास और सतलुज के अलावा हरियाणा को यमुना से 4.65 एमएएफ और शारदा यमुना लिंक के माध्यम से शारदा से 1.62 एमएएफ पानी मिल रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि नहरी पानी की कमी के कारण पंजाब में भूजल पर निर्भरता बढ़ी है, जिसके कारण पंजाब के कुल 153 में से 115 जोन (75 प्रतिशत) को अत्यधिक पानी निकालने वाला घोषित किया गया है, जबकि हरियाणा के केवल 61 प्रतिशत (143 में से 88) जोन में ही अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में ट्यूबवेलों की संख्या 1980 के छह लाख से बढ़कर 2018 में 14.76 लाख (केवल कृषि ट्यूबवेल) हो गई और पिछले 35 वर्षों में इसमें 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब में देश की तुलना में 157 प्रतिशत अधिक पानी भूजल से निकाला जाता है, जो राजस्थान (150 प्रतिशत) से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने अपनी जरूरतों को भी नजरअंदाज किया और 60 प्रतिशत पानी गैर–रिपेरियन राज्यों को दे दिया, जहां से रावी–ब्यास और सतलुज नदियां गुजरती भी नहीं हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने 2024 के दौरान देश के अनाज भंडार में 124.26 लाख मीट्रिक टन का योगदान दिया, जो भारत भर में 47 प्रतिशत है, जबकि पंजाब केंद्रीय पूल में 24 प्रतिशत चावल भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की पानी की कुल आवश्यकता 52 एमएएफ है और राज्य को सभी स्रोतों से केवल 26.75 एमएएफ पानी मिलता है, जिसमें 12.46 एमएएफ नहरी पानी और 14.29 एमएएफ भूजल है। उन्होंने कहा कि पंजाब की नदियों का पानी पड़ोसी राज्यों के साथ बांटा गया है, जबकि बाढ़ के समय नुकसान केवल पंजाब में होता है, जिससे हर साल पंजाब पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब पड़ोसी राज्यों के साथ तय सीमा के अनुसार पानी बांटा जाता है, तो बाढ़ के कारण होने वाली तबाही के लिए भी पड़ोसी राज्यों को सालाना आधार पर पंजाब को उचित मुआवजा देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन समझौतों और ट्रिब्यूनलों के फैसलों की बदलते हालात और पर्यावरणीय बदलावों के संदर्भ में समीक्षा की जानी चाहिए, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मानक भी हर 25 साल बाद समीक्षा के लिए बाध्य करते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे हरियाणा रावी–ब्यास के पानी पर अपना हक समझता है, वैसे ही पंजाब यमुना के पानी पर अपना हक समझता है, क्योंकि भारत सरकार के सिंचाई आयोग की 1972 की रिपोर्ट में पंजाब को यमुना नदी का रिपेरियन राज्य बताया गया है। भगवंत सिंह मान ने अफसोस जताया कि भारत सरकार का तर्क है कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम–1966 यमुना नदी के बारे में चुप है, क्योंकि इन पानी को पंजाब और हरियाणा के बीच बांटने योग्य नहीं माना गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह यह अधिनियम रावी के पानी के बारे में भी चुप है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने पहले ही रावी–ब्यास के अतिरिक्त पानी के संबंध में 1981 में बने समझौते को रद्द कर 'पंजाब समझौता रद्द अधिनियम, 2004' के तहत निरस्त कर चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य ने 'पंजाब समझौता रद्द अधिनियम, 2004' की धारा–5 के तहत रावी–ब्यास के पानी के हरियाणा द्वारा उपयोग को बरकरार किया। भगवंत सिंह मान ने बताया कि पंजाब से पाकिस्तान की ओर कोई पानी नहीं छोड़ा जा रहा और पाकिस्तान में जो पानी पहुंच रहा है, वह जम्मू–कश्मीर से निकलने और बहने वाली उज्ज नदी के माध्यम से पहुंचता है।

गुरू पूर्णिमा

मानवता को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने वाला पर्व

भारत की सांस्कृतिक विरासत हमें मानवीय मूल्यों से परिचित कराती है तथा ज्ञान और शाश्वत शिक्षा प्रदान करती है। इसका विविध एवं सर्वव्यापी स्वरूप सामूहिक चेतना को जागृत करता है जिसकी अभिव्यक्ति भारत में मनाए जाने वाले विभिन्न त्यौहारों के रूप में होती है। ये त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं हैं बल्कि ये हमारी प्रकृति के साथ जुड़ाव तथा वैज्ञानिक सोच एवं आध्यात्मिक चिंतन से जुड़े हैं। गुरु पूर्णिमा एक ऐसा ही विशेष अवसर है जो हमें इतिहास में घटित घटनाओं के बारे में रूककर विचार करने और उन्हें समझने का अवसर प्रदान करता है। यह हमें यह जानने के लिए प्रोत्साहित करता है कि विगत की परिस्थितियों में अब क्या बदलाव आया है, किन बातों को हम अभी भी अपनाए हुए हैं और हमने अपने पीछे क्या कुछ छोड़ दिया है? हमने व्यक्ति के रूप में कितनी और सामूहिक रूप में कितनी उपलब्धियां हासिल की हैं? अपनाने और छोड़ने के इस दौर में हमारा साथ किन लोगों ने सबसे अधिक दिया? जीवन के उथल-पुथल एवं दुख से भरे समय में जबकि हमारा काफी अधिक पतन हो सकता था वैसे अस्थिर समय में किसने हमारा साथ दिया? ये सभी ऐसे प्रश्न हैं जिनके समाधान के लिए हमें गुरु या एक पथ-प्रदर्शक शक्ति की सर्वाधिक अहम भूमिका होती है चाहे वह कोई व्यक्ति हो, सिद्धांत हो या हमारे अंतर्मन की शक्ति हो जो हमारी जीवन यात्रा के दौरान सर्वाधिक शक्तिशाली मित्र के रूप में हमारा साथ निभाती है। समय की कसौटी पर खरे उतरे वे कौन से सिद्धांत हैं, जो हमें जीवन के पथ पर एक संतुलित यात्री बने रहने में सफल बनाते हैं। हमारे जीवन की इन सभी विविध परिस्थितियों के बीच प्रायः अदृश्य अथवा दृश्य, मूर्त या अमूर्त ऐसी शक्तियां होती हैं चाहे वो किसी पथ-प्रदर्शक का हाथ हो या कोई दिव्य विचार हो, मां का सानिध्य हो, शिक्षक के ज्ञान भरे शब्द हों या किसी मित्र का साथ हो जो हमारा पथ-प्रदर्शक बन जाता है। अतः गुरु पूर्णिमा ऐसे सभी शक्तियों को चाहे वह दृश्य हों अथवा अदृश्य, जो हमारा मार्गदर्शन करती हों, हमें सही रूप में ढालती हों और हमारे जीवन में उन्नति के पथ पर हमारा साथ देती हों, सभी को सम्मानित करने का एक पवित्र अवसर है।

गुरु पूर्णिमा का त्योहार व्यक्ति के जीवन और उसके सामाजिक मूल्यों को एक सही रूप में ढालने में गुरु की भूमिका को सम्मानित करने की एक शाश्वत परंपरा है। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के इस दिन का गहरा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक तथा

सामयिक महत्व है क्योंकि इसी दिन आदिगुरु भगवान शिव ने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान प्रदान किया था। इसी दिन महर्षि वेदव्यास की जन्म जयंती भी मनाई जाती है। इसके साथ ही, पूर्णिमा के दिन से चतुर्मास आरंभ होते हैं जो मानसून के दौरान के पवित्र चार महीने हैं जबकि साधु-संत किसी एक ही स्थान पर रहकर अपने शिष्यों को ज्ञान देते हैं। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इस दिन चांद के शीतल प्रकाश की ऊर्जा हमारे आंतरिक मन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करती है। गुरु पूर्णिमा का यह त्योहार हमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है जिन्होंने हमारे मन में ज्ञान की ज्योति जगाई है।

संस्कृत शब्द गुरु दो शब्दों गु (अंधकार) और रु (हटाना) का संयोजन है जिसका अर्थ होता है एक ऐसा व्यक्ति जो हमारे मन से अंधकार अर्थात अज्ञानता को दूर करता हो। प्राचीन वैदिक परंपरा में गुरु शिष्य परंपरा शिक्षा का आधार थी। गुरुकुल में शिक्षार्थियों को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करके उन्हें विचारशील बनाया जाता था तथा नैतिकता का पाठ पढ़ाकर उनकी नैतिक दुविधाओं का समाधान किया जाता था। गुरुकुल में शिक्षा की यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों को कर्म के माध्यम से मूल्य आधारित जीवन जीने व चरित्र निर्माण करने के लिए निरंतर प्रेरित करने की प्रक्रिया थी। गुरु के महत्व और महानता को केवल शब्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता। गुरु मात्र एक शिक्षक ही नहीं होते बल्कि उनकी उपस्थिति ही एक ऐसी जीवंत शक्ति, एक ऐसी अनुभूति होती है जो शक्ति, मार्गदर्शन और प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत होती है। जिस प्रकार पूर्णिमा संपूर्णता, शुद्धता और प्रकाश का प्रतीक है ठीक उसी प्रकार गुरु में भी वैसी ही महानता होती है और गुरु भी ज्ञान से संपूर्ण, निष्कपट और मन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के स्रोत होते हैं।

प्रसिद्ध संत कबीर ने गुरु की तुलना कुम्हार से और शिष्य की तुलना मिट्टी के कच्चे बर्तन से करते हुए कहा है कि,

गुरु कुम्हार है, शिष्य कुंभ है,
गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट। अंतर हाथ
सहार दै, बाहर बाहै चोट॥

इसका अर्थ है- गुरु कुम्हार है और शिष्य मिट्टी का घड़ा है। जिस प्रकार कुम्हार घड़े को भीतर से हाथ का सहारा देकर और बाहर से चोट मारकर गढ़ता है, उसी प्रकार गुरु भी शिष्य को भीतर से प्रेम, करुणा और ज्ञान का सहारा देकर और बाहर से डांट-फटकार लगाकर उसकी बुराइयों को दूर करता है और उसे अनुशासित व परिष्कृत करता है। गुरु एक छिपे हुए और कभी भी खत्म न होने वाले ज्ञान का भंडार है – उनके आशीर्वाद मौन होते हुए भी जीवन में आमूल बदलाव लाने वाले होते हैं और शिष्य के मन में सच्चाई और अच्छाई से जुड़े मूल्यों से युक्त ज्ञान व बुद्धिमत्ता भरते हैं। रामायण काल में विश्वामित्र और भगवान राम के बीच तथा भक्तिकाल में गुरु रविदास और मीरा बाई, रामानंद और कबीर, गुरु नानक देव जी और उनके बाद हुए गुरुओं के बीच का संबंध- सभी भारतीय सभ्यता में आध्यात्मिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की अमिट विरासत के उदाहरण हैं। इन पवित्र बंधनों ने समाज को एक नैतिक ढांचा प्रदान किया और इसके आंतरिक विकास को बढ़ावा दिया। आधुनिक युग में, देश के लोगों के मन में राष्ट्रवाद की अलख जगाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज तथा समाज को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने में समर्थ गुरु रामदास, स्वामी विरजानंद सरस्वती और स्वामी दयानंद सरस्वती का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। इसी गुरु परंपरा में स्वामी रामकृष्ण परमहंस भी हुए हैं जिनकी शिक्षा ने स्वामी विवेकानंद को एक आध्यात्मिक महापुरुष बनाया, जिन्होंने बाद में भारतीय दर्शन को पाश्चात्य देशों तक पहुँचाया। इसी प्रकार, महावतार बाबाजी, लाहिड़ी महाशय, श्री युक्तेश्वर और परमहंस योगानंद जैसे महापुरुषों द्वारा दिए गए ज्ञान की ज्योति दुनिया भर के साधकों का मार्गदर्शन करती रहेगी और उन्हें अपने मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान ने विश्व-बंधुत्व की भावना को बढ़ाया है और लोगों को ज्ञान की दिव्य दृष्टि प्रदान की है। विश्व के सभी देशों में देवत्व के प्रति निष्ठा, समर्पण और व्यक्तिगत संबंध को अभिव्यक्त करने की परंपरा देखी जाती है। पश्चिमी देशों में ईश्वर की प्रार्थना के दौरान 'ओ माई मास्टर' शब्द का प्रयोग किया जाता है जो ईश्वर के साथ गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का सूचक है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आश्वासन के बाद परिवहन विभाग की यूनियनों ने हड़ताल वापस ली

वित्त मंत्री चीमा ने परिवहन विभाग को यूनियनों की मांगों के संबंध में कैबिनेट सब-कमेटी को ठोस प्रस्ताव सौंपने के दिए निर्देश

एसके सक्सैना

चंडीगढ़,'-पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज राज्य के परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि वे आगामी 15 दिनों के भीतर विभाग की विभिन्न यूनियनों के साथ बैठक कर उनकी मांगों पर विचार करें और उनकी अध्यक्षता वाली कैबिनेट सब-कमेटी को एक ठोस रिपोर्ट सौंपें। इस निर्देश के बाद विभाग की हड़ताल पर गई यूनियनों ने अपनी हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने ये निर्देश पंजाब भवन में यूनियनों के साथ लगभग दो घंटे चली बैठक के दौरान जारी किए। इस बैठक में परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, परिवहन सचिव वरुण रूज़म, स्टेट ट्रांसपोर्ट डायरेक्टर-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर पनबस राजीव गुप्ता और पीआरटीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर बिक्रमजीत सिंह शेरगिल भी उपस्थित थे।

नेचर लवर फ्रैंडज़ ने गायों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया

देसी गाय का दूध अमृत .समान – लाली शर्मा

मोगा = [कैप्टन सुभाष चंद्र शर्मा, ब्यूरो चीफ]= नेचर लवर फ्रैंडज मोगा के अधिकांश सदस्य शहर के गण्मान्य वरिष्ट नागरिक हैं। यह संगठन वरिष्ट सदस्य के नेतृत्व में धार्मिक समाजिक कार्यो. जरुरतमंद परिरिवारों की यथायोग्य सहायता,पशु पक्षियों बेसहारा पशुओं,गो वंश एवं समाजिक कुरितियों को दूर करने हेतु विशेष योगदान प्रदान कर रहा है। सर्वसम्मति के निर्णय के अनुसार पंद्रवाड़ा 15 दिनों बाद स्थानीय गौशालाओं में जा कर गौ सेवा करने हेतु गोपाल गऊ शाला में सभी सदस्यों ने गौ माता को हारा चारा, गुड एवं गौवंश की पसंदीय विशेष खुराक लड्डूओं का भोग लगा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ब्राहण समाज के विशेष प्रतिनिधि उर्मिल शर्मा [लाली शर्मा] ने गऊ माता कि महत्ता के बारे विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने

बताया कि हिंदू धर्म में गाय एक जानवर नहीं बल्कि माता के रुप में पूजा की जाती है। देसी गाय का दूध अमृत समान है। गऊ माता का मानव जीवन में सर्वगुणीय विकास हेतु विशेष योगदान है। वैदिक काल से ही गाय में 33 करोड देवताओं का वास माना जाता है। भारतीय संस्कृति में गाय को गौ धन भी कहा गया है। इस अवसर पर प्रदीप गोयल, लाली शर्मा, राजेश.बब्बू,रामेश जिंदल, अनिल गोयल.बलवीर आरोड़ा, ललित सहगल,विमल जैन इत्यादि ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

पूर्व सांसद सुशील रिंकू की मेहनत रंग लाई, पीएपी के पास आरओबी बनाने को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को रिंकू ने सौंपा था मांगपत्र,

मनदीप कौर

जालंधर, नई दिल्ली/जालंधर। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुशील रिंकू की एक और मेहनत रंग लाई है। सुशील रिंकू की मांग पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जालंधर में पीएपी चौक के पास आरओबी निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सुशील रिंकू ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा था। इस आरओबी के बनने से जालंधर समेत आसपास के कई इलाकों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने बताया कि पीएपी चौक में लंबे समय से लंबित प्रस्तावित आरओबी के निर्माण के लिए केंद्र की

मोदी सरकार ने हरी झंडी दे दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस आरओबी के निर्माण के लिए संबंधित महकमे के अफसरों को निर्देशित किया है। रिंकू ने बताया कि इस आरओबी के लिए उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गडकरी से व्यक्तिगत तौर पर मिलकर मांग रखी थी। पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने बताया कि पीएपी चौक पर आरओबी बनने से जालंधर से अमृतसर जाने वाले लोगों को रामामंडी का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अभी जालंधर से अमृतसर को जाने के लिए पीएपी की बजाए लोगों को रामामंडी जाना पड़ता है, फिर वहां से नेशनल हाईवे पर चढ़ना पड़ता है। इससे लंबी दूरी के साथ ईंधन और समय का नुकसान होता है। पीएपी के पास आरओबी के बनने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

भाजपा के प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभा ने भाजपा के नव-नियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री अश्विनी शर्मा को बधाई दी

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, भाजपा के प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभा और भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुंदर लाल ने भाजपा के नव-नियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री अश्विनी शर्मा से भेंट की, खुशी साझा की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। हरदेव उभा ने कहा कि अश्विनी शर्मा जी का संगठनात्मक अनुभव, विचारशील नेतृत्व और पंजाब की राजनीति की गहरी समझ पार्टी को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगी। वह इससे पहले भी दो बार प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और हर बार उन्होंने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

समाज का हर वर्ग मान सरकार के काम और नीतियों से खुश है

-पंकज कुमार पिंकी

बहरामपुर, (सोनु रविन्दर) – भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के काम और सोच से समाज का हर वर्ग खुश है। उक्त शब्द व्यक्त करते हुए ब्लॉक दीनानगर के अध्यक्ष पंकज कुमार पिंकी ने कहा कि मान सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए नहरी पानी को अंतिम छोर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की जा रही है, घरों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है सप्लाई मुहैया करवाई जा रही है, अच्छी और मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं, समाज में नशे की लत को खत्म करने के लिए सरकार नशे के खिलाफ जंग अभियान चला रही है, आम लोगों के लिए अच्छी शिक्षा व्यवस्था की जा रही है। पंजाब की जनता सरकार की नीतियों से खुश है। इसीलिए लुधियाना में हुए उपचुनाव में जीत हासिल करके लोगों ने यह साबित कर दिया है कि पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी के साथ है।

आदमपुर में हुई घटना का मामला; डी.आई.जी. जालंधर रेंज ने घटनास्थल का लिया जायजा

एसके सक्सैना

जालंधर, डी.आई.जी. जालंधर रेंज नवीन सिंगला ने बीती रात आदमपुर के गांधी नगर में हुई आग की घटना का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ एस.एस.पी. जालंधर ग्रामीण पुलिस हरविंदर सिंह विर्क भी मौजूद थे। घटनास्थल का जायजा लेते हुए डी.आई.जी ने कहा कि तीन अज्ञात व्यक्तियों ने एक बोतल में तेल डालकर आग लगा दी और घर के गेट पर फेंक दिया, जिससे गेट में आग लग गई और कोई जानी नुक्सान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस पार्टी को घटनास्थल पर भेजा गया। श्री सिंगला ने आगे कहा कि पुलिस विभिन्न पहलुओं से घटना की जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में परिजनों से भी बात की है। उन्होंने कहा कि गांधी नगर, आदमपुर में हुई घटना का जल्द ही पता लगा लिया जाएगा और दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धारा 326(जी), 324(4), 61(2) बीएनएस, 2023 (आईपीसी की धारा 436, 427, 511) के तहत एफआईआर नंबर 109 तारीख 6.07.2025 दर्ज की गई है। इस दौरान डी.आई.जी जालंधर रेंज ने आदमपुर थाने के एस.एच.ओ को संदिग्धों को भी जांच में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय खुफिया और तकनीकी निगरानी का उपयोग करके दोषियों को जल्दी से जल्दी ढूँढने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की राज्य में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून और व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री सिंगला ने कहा कि गलत काम करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि आज भी जालंधर ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शाहकोट में पुलिस मुठभेड़ के दौरान फिरौती मांगने वाले 2 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इन आरोपियों के पास से 2 देसी पिस्तौल, गोलाबारूद और 110 नशीली गोलियां भी बरामद की गई हैं।

पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ जैसी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पुख़्ता प्रबंध-बरिन्दर कुमार गोयल

जल संसाधन मंत्री द्वारा तैयारियों का जायज़ा, बाढ़ रोकथाम उपायों के लिए ख़र्च किये गए तकरीबन 230 करोड़ रुपए

मनदीप कौर

चंडीगढ़, पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने आज यहाँ कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार ने पंजाब भर में बाढ़ जैसी किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पुख़्ता प्रबंध किये हुए हैं। यहाँ उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये कैबिनेट मंत्री ने बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए राज्य भर में चल रहे यत्नों की समीक्षा करने के साथ-साथ मौजूदा बाढ़ नियंत्रण उपायों की स्थिति और संभावित आपात हालातों से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग की तैयारियों का जायज़ा लिया। कैबिनेट मंत्री को बाढ़ सुरक्षा उपायों और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए विस्तृत तैयारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई। उनको अवगत करवाया गया कि सरकार ने अलग- अलग बाढ़ प्रबंधन पहलों के लिए लगभग 230 करोड़ रुपए ख़र्च किये हैं। यह भी बताया गया कि ऐसडीऐमऐफ, मनरेगा और विभागीय अमले के द्वारा कुल 599 प्रोजैक्ट मुकम्मल किये गए हैं। इनमें विभागीय मशीनरी और ठेकेदारों के द्वारा 4766 किलोमीटर लम्बी ड्रेनों, नदियों और चोओं की सफ़ाई के साथ-साथ नदियों के बाँधों को मज़बूत करने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि इसके इलावा कुल 1044 चैक डैम और 3957 सोक पिट भी बनाऐ जा रहे हैं। इसके साथ ही 53,400 बाँस के पौधे लगाने के साथ-साथ 294 किलोमीटर हिस्से पर वैटीवर घास भी लगाया गया है। कैबिनेट मंत्री को बताया गया कि विभाग ने 7.79 लाख सैंड बैग ख़रीदे हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख बोरियाँ पहले ही भरी जा चुकी हैं, जो बाढ़ जैसे आपात और संभावित हालातों के साथ तत्काल निपटने के लिए रणनीतिक तौर पर सभी जिलों में रखी गई हैं। इसके इलावा विभाग ने पहली बार जम्बो बैग भी ख़रीदे हैं जो टीमों को बाँध लगाने या बाढ़ जैसे हालातों से निपटने के दौरान किसी भी संभावित दरार को जल्द भरने में मदद करेंगे।

पंजाब बना गैंगस्टरों का अड्डा, केजरीवाल के स्वागत में मस्त है भगवंत मान - चुग

रमन कुमार

चंडीगढ़, 7-भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आज अबोहर में एक प्रतिष्ठित व्यापारी की दिनदहाड़े हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पंजाब को गैंगस्टरों के हवाले कर दिया है।

चुग ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और भगवंत मान सरकार इस अराजकता पर आंखें मूंदे बैठी है। चुग ने कहा कि पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हो रही हत्याएं इस बात का सबूत हैं कि राज्य में 'गोलियों का राज' चल रहा है। अमृतसर, मोगा और अब अबोहर - हर घटना पुलिस की मौजूदगी के बावजूद हो रही है, जो दर्शाता है कि अपराधियों को न कानून का डर है, न सरकार का। उन्होंने कहा कि पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में इस तरह की स्थिति बेहद गंभीर है और इसे किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य सरकार की विफलता पर सवाल उठाते हुए मांग की कि इन सभी घटनाओं की जांच एनआईए की निगरानी में होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और अपराधियों को सज़ा मिले। तरुण चुग ने कहा कि 4 जुलाई को मोगा में दो युवक मरीज बनकर डॉ. अनिलजीत कम्बोज के क्लिनिक में घुसे और गोलियों से उनकी हत्या कर दी। डॉ. कम्बोज, जो प्रख्यात पंजाबी अभिनेत्री तानिया के पिता हैं, उनका क्लिनिक पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर था। और ठीक 72 घंटे बाद आज अबोहर के प्रसिद्ध व्यापारी संजय वर्मा को उनकी दुकान के बाहर गोलियों से भून दिया गया। चुग ने जोड़ा, फ्जब पंजाब की सड़कों पर खून बह रहा है, तब भगवंत मान लाल कालीन बिछाकर दिल्ली के अनचाहे मेहमान अरविंद केजरीवाल का स्वागत करने में व्यस्त हैं। सवाल ये है कि पंजाब की कमान आखिर चला कौन रहा है - मुख्यमंत्री या दिल्ली का दरबारी? चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान, जो खुद राज्य के गृह मंत्री भी हैं, कानून-व्यवस्था के हालात से पूरी तरह अनजान, नाकाम और गुमशुदा हैं। फ्आप ने जिस 'बदलाव' का वादा किया था, वो 'बर्बादी' में बदल चुका है। पंजाब आज गोलीबारी, गैंगवार और डर के साए में जी रहा है।

ब्राह्मण सभा के सदस्यों ने गायों को खिलाया गुड़ व हरा चारा

मोगा ॒ [कैप्टन सुभाष चंद्र शर्मा]॒= ब्राह्मण सभा, मोगा की कार्यकारिणी ने आज अपने गौ सेवा प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्वामी महेश मुनी (बोरे वाले) जी की गौशाला में जा कर गौ सेवा की। सबसे पहले सभा के सदस्यों ने स्वामी जी की कुटिया में पहुँच कर पर उन्हें नमन करते हुए आशीर्वाद लिया। इसके बाद सभा के अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप भारती व सदस्यों ने गौशाला में गौमाता को हरा चारा व गुड़ आदि खिलाया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप भारती ने कहा कि सभा की ओर से पिछले बर्ष गोपाष्टमी के अवसर पर यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, जो निरंतर सदस्यों के सहयोग से चल रहा है। उन्होंने गऊ माता की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि देसी गाय का दूध अमृत के समान है।इसके साथ ही बिरादरी की एक जरूरतमंद महिला को पिछले 10 महीने से सभा की ओर से हर महीने आर्थिक सहायता दी जा रही है।गौ सेवक कैप्टन सुभाष चन्द्र शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा में गाय से जुड़ी हर चीज अत्यंत ही उत्तम व शुभ मानी जाती है। इसलिए हम सभी को किसी ना किसी रूप में कुछ ना कुछ गौमाता के लिए अवश्य करना चाहिए। सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष रवि नंदन शर्मा, महासचिव विजय शर्मा,जसप्रीत शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रवीण शर्मा , दविंदर शर्मा (टीनू दात्तेवाल) व बसाखी राम आदि सदस्य उपस्थित थे।

देसी गाय का दूध अमृत समान - एडवोकेट प्रदीप भारती

भाजपा पंजाब को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी अश्विनी शर्मा जी के नेतृत्व में - अजय अरोड़ा

मनदीप कौर

चंडीगढ़, - भाजपा पंजाब के सोशल मीडिया संयोजक श्री अजय अरोड़ा ने वरिष्ठ नेता एवं पठानकोट से विधायक श्री अश्विनी शर्मा जी को प्रदेश भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। अजय अरोड़ा ने कहा कि अश्विनी शर्मा जी का संगठनात्मक अनुभव, विचारशील नेतृत्व और पंजाब की राजनीति की गहरी समझ पार्टी को एक नई दिशा और मजबूती देगी। वह इससे पहले भी दो बार प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और हर बार उन्होंने संगठन को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। उन्होंने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रदेश में संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और विश्वास पैदा करेगा।

केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट करता हूँ - अजय अरोड़ा

डिडू राज्य में राजमार्गों पर फूलदार पौधे लगाने के पायलट प्रोजैक्ट की संभावना पर विचार किया जाये-लाल चंद कटारूचक्क

'वृक्ष और वातावरण संरक्षण' के विषय पर 23 जुलाई को बटाला में करवाया जायेगा शिव कुमार बटालवी यादगारी कविता मुकाबला-वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री

पंकज

चंडीगढ़, -पंजाब के वन और वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा साल 2025- 26 के लिए अनूठी पहलें बनाईं जा रही हैं। इनमें प्रमुख तौर पर हाईवे (राजमार्गों) के साथ-साथ विशेषत: संगरूर, जालंधर से अमृतसर सड़क, पठानकोट से अमृतसर, श्री आनन्दपुर साहिब और फगवाड़ा-चंडीगढ़ सड़क पर खटकड़ कलाँ में फूलदार पौधे लगाने के पायलट प्रोजेक्ट की संभावना को तलाशना शामिल है। इसी के साथ ही प्रसिद्ध पंजाबी कवि मरहूम शिव कुमार बटालवी की याद में 23 जुलाई को उनके जन्म दिन के मौके पर बटाला में एक कविता मुकाबला भी करवाया जायेगा। इस मुकाबलै में प्राइमरी, मिडल, सेकंडरी स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों भाग लेंगे और हरेक वर्ग में पहले 3 स्थान हासिल करने वालों को नकद इनाम भी दिए जाएंगे। इसके इलावा राज्य में वन के अधीन क्षेत्र बढ़ाने के मद्देनज़र राज्य सरकार ने श्री गुरु तेग़ बहादुर जी हरियावल संकल्प योजना के अंतर्गत फ़ैसला किया है कि साल 2025-26 के दौरान हरेक जिले में 3.50 लाख पौधे लगाए जाएंगे। सैक्टर 68 के वन कंपलैक्स में 2025-26 के दौरान पौधे लगाने सम्बन्धी प्रयासों के बारे मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क को विभाग के सीनियर अधिकारियों ने बताया कि हरेक जिले में वन महोत्सव भी मनाया जायेगा और 2 रुपए प्रति पौधो की नाममात्र कीमत पर लोगों को पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके इलावा, 582.252 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मुआवज़ा वन योजना के अंतर्गत वृक्ष लगाए जाएंगे और पठानकोट जिले में 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मिट्टी और पानी संरक्षण प्रोजैक्ट भी शुरू किये जाएंगे। कैबिनेट मंत्री को यह भी बताया गया कि 2025- 26 के दौरान ग्रीन पंजाब मिशन के अंतर्गत स्कूलों, कालेजों, पंजाब मंडी बोर्ड और मार्कफैड्ड में 331 हेक्टेयर क्षेत्र में 3.31 लाख पौधे लगाए जाने हैं। इसके साथ ही 'श्री गुरु तेग़ बहादुर पवित्र वन' योजना के हिस्से के तौर पर 52 'पवित्र वन' स्थापित किये जाएंगे। इसके इलावा शैक्षिक संस्थाओं में 289 और औद्योगिक क्षेत्रों में 83 'नानक बगीचियां' स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि जहाँ तक लिंक सड़कों के साथ पौधे लगाने की बात है, यहाँ पॉपुलर और ड्रेक किस्मों के 2.50 लाख पौधे जबकि फूलदार किस्मों के 3 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य-योग से बदलता परिदृश्य

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री,

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि -मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है।

योग की जन्मस्थली भारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिए एक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकार किया जाता है। भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है-फ्योग: कर्मसु कौशलम्फ्, अर्थात् 'योग कर्मों में कौशल है।' भगवान श्रीकृष्ण का स्पष्ट संदेश है कि- सच्चा योग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वक निभाते हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्ध करता है। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,फ्एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगफ् है द्य जो कि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि फ्योग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है - आप इसे अकेले, समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं।फ् जैसे-जैसे हमारा राष्ट्र विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए। भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अत: उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टि से अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवं हड्डियों को मजबूत बनाता है। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। योग को अपनाकर महिलाएँ गर्भावस्था से पूर्व और बाद के परिवर्तनशील समय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनती हैं। प्रसव पूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है।

यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मक सहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है। महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत की है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि से भारत के औद्योगिक उत्पादन में 9त्र तक की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक हम एक उच्च आय वाले विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह सब तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे पास शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ महिला कार्यबल हो। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, बच्चे भी जीवनशैली संबंधी विकारों, स्क्रीन पर निर्भरता और शैक्षणिक दबावों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। योग इन चुनौतियों के लिए साक्ष्य-आधारित, समयबद्ध और सांस्कृतिक रूप से निहित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह एकाग्रता, याददाश्त बढ़ाने, भावनात्मक विनियमन, नींद की गुणवत्ता और तनाव के प्रबंधन को बेहतर करता है - जो समग्र बचपन के विकास के प्रमुख घटक हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से, हमारा मंत्रालय योग को बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और विकास में शामिल कर रहा है, जो आजीवन स्वास्थ्यवर्धक आदतों की नींव रख रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक बहुआयामी रणनीति के अंतर्गत योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन के अभिन्न अंग के रूप में अपनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारी प्रमुख योजनाएँ, जैसे- आंगनवाड़ी केंद्र, वन स्टॉप सेंटर और बाल देखभाल संस्थान आदि न केवल पोषण और कल्याण सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करते हैं, बल्कि योग से जुड़ी विशेष गतिविधियों एवं प्रशिक्षण के माध्यम से लाभार्थियों के जीवन को भी प्रभावित करते हैं। इन केंद्रों में आयुष मंत्रालय के सहयोग से तैयार विशेष योग मॉड्यूल्स लागू किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर केंद्रित हैं। वैश्विक व्यवस्था के बदलते विमर्श में, महिलाएँ हर मोर्चे पर अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। आईटी से लेकर अंतरिक्ष तक और नीति निर्माण से लेकर सामरिक रक्षा तक, महिलाएँ नई अग्रिम पंक्ति की योद्धा हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नेतृत्व इसका जीवंत उदाहरण हैं। यह स्पष्ट है कि मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ असाधारण परिवर्तनकारी शक्ति बन सकती हैं-और योग उनकी इस अपार क्षमता का आधार है। योग के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ावा देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। महिला और बाल विकास की अपनी नीतियों में योग को सक्रिय रूप से शामिल करके, हम अपनी सांस्कृतिक संप्रभुता पर जोर दे रहे हैं । योग को केवल एक अभ्यास के रूप में नहीं बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक सहभागी अभियान, एक जन-आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए और हमारी सरकार इस मुहिम को देश के हर हिस्से में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारतश्च2047 की ओर हमारी यात्रा में, योग एक संवेदनशील, सशक्त और लचीला समाज गढ़ने की दृष्टि प्रदान करता है। आइए, हम सभी मिलकर 'स्वस्थ भारत' की प्रतिबद्धता के लिए व्यक्तिगत स्वास्थ्य और राष्ट्रीय समृद्धि में योग को अपनाने की दिशा में एकजुट हों।

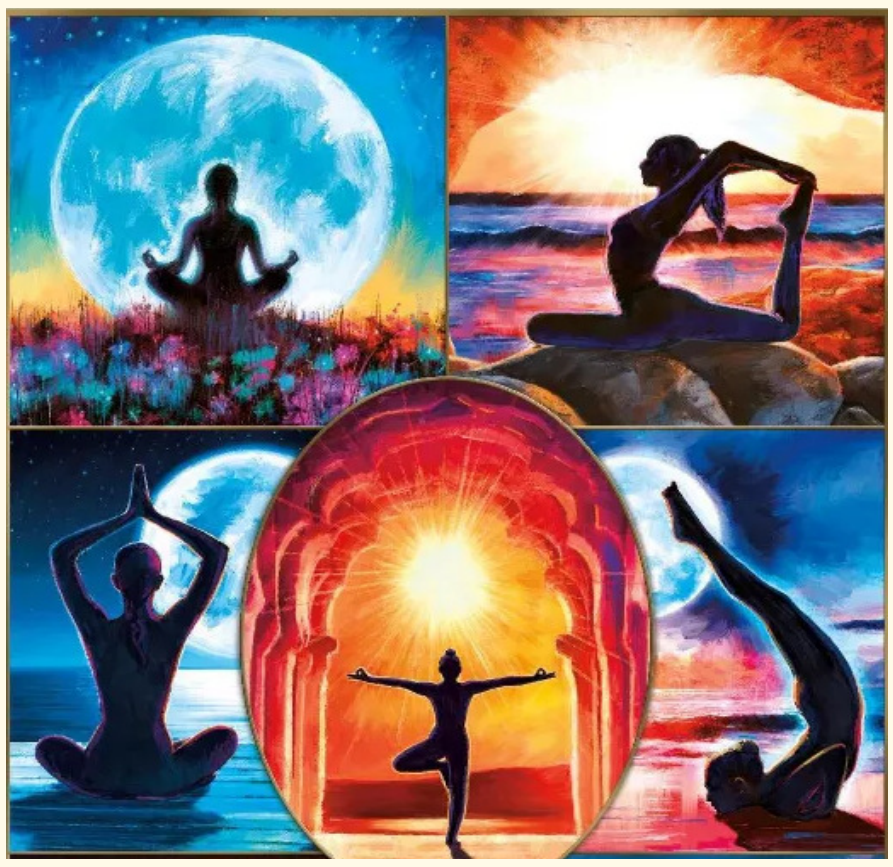

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ
आज तक आमने-सामने
पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा
Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com
RNI No-Punhin2013/54688

लोकसभा मैंबर डॉ. चब्बेवाल बस्सी गुलाम हुसैन पहुंचे, हालातों का लिया जायजा

अधिकारियों को दिए निर्देश, गांव और शहर के बीच जल्द संपर्क स्थापित किया जाए

एसके सक्सैना

होशियारपुर, –रविवार सुबह हुई भारी बारिश के कारण गांव बस्सी गुलाम हुसैन को होशियारपुर शहर से जोड़ने वाली मुखय सड़क बाढ़ के पानी में बह जाने की सूचना मिलते ही होशियारपुर से लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चब्बेवाल मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया तथा गांव वासियों को भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी भी तरह की मुश्किल पेश नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर डॉ. राज कुमार चब्बेवाल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तुरंत प्रभाव से लोगों को जरूरी सहायता मुहैया करवाएं। डॉ. चब्बेवाल ने इस समय लोगों की फसलों और पशुओं के हुए नुकसान के बारे में भी जानकारी हासिल की तथा लोगों को भरोसा दिलाया कि वह यह जानकारी पंजाब सरकार तक पहुंचाकर लोगों को मदद पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगे। डॉ. चब्बेवाल ने इस समय कहा कि यह एक प्राकृतिक आपदा है जिसे इंसान तो नहीं रोक सकता लेकिन हम लोगों को इस स्थिति से बाहर निकालने की क्षमता जरूर रखते हैं, उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को इस प्राकृतिक आपदा के कारण पैदा हुए मुश्किल हालातों के लिए आपदा फंड से तुरंत पैसे जारी करने और गांव व शहर के बीच संपर्क फिर से स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न आए इसके लिए गांव व होशियारपुर शहर के बीच स्थायी संपर्क स्थापित करने के लिए एक पुल का निर्माण भी किया जाएगा। डॉ. चब्बेवाल ने गांव वासियों को भरोसा दिलाया कि वह हर समय उनकी सेवा में हैं और जब तक यह समस्या हल नहीं हो जाती वह इस मामले पर निजी तौर पर नजर रखेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री मान को दी बधाई

नशे को जड़ से खत्म करना, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और युवाओं को रोजगार व कारोबार के अवसर प्रदान करना, आम आदमी पार्टी सरकार की तीन प्रमुख प्राथमिकताएं

मनदीप कौर

चंडीगढ़–अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इसे वास्तविक क्रांति कहा जा सकता है क्योंकि पिछली सरकारों के दौरान शानदार उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद उपेक्षित रहने वाले शिक्षक आज मुख्यमंत्री के साथ सीधा संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति के लिए सकारात्मक माहौल बनाया है और शिक्षकों ने इस माहौल का लाभ उठाते हुए हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को भी इसका भरपूर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सरकारी शिक्षकों का शोषण किया था, जिसके कारण पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा था, लेकिन अब बड़ा बदलाव आया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एन ए एस एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन यह उनकी सरकार का अंतिम लक्ष्य नहीं है। उनकी सरकार हर नागरिक की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब

आम जनता यह प्रमाण देगी कि पंजाब सरकार ने शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में क्रांति ला दी है, तभी यह असली मान्यता होगी। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त पंजाब, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उनके लिए रोजगार/कारोबार सुनिश्चित करना राज्य सरकार की तीन प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही नशे के खिलाफ जंग को जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि विद्यार्थियों को नशे के खतरों से दूर रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशे के कहर को समाप्त करने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है और नशे के विरुद्ध यह जंग देश भर में बेमिसाल है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग मुख्यमंत्री मान की प्रशंसा कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

शिक्षा क्रांति की शुरुआत के साथ पंजाब ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण में प्राप्त किया सर्वोच्च स्थान-अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री मान को दी बधाई

नशे को जड़ से खत्म करना, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और युवाओं को रोजगार व कारोबार के अवसर प्रदान करना, आम आदमी पार्टी सरकार की तीन प्रमुख प्राथमिकताएं

एसके सक्सैना

संगरूर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज पंजाब में शिक्षा क्रांति के नए युग की शुरुआत के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार को बधाई देते हुए कहा कि इन प्रयासों के चलते भारत सरकार द्वारा कराए गए 'नेशनल अचीवमेंट सर्वे' (राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण) में पंजाब ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एन ए एस) में पंजाब की शानदार उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की शिक्षा के क्षेत्र में इस ऐतिहासिक दिन का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत गर्व और संतोष की बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के प्रयासों के चलते राज्य ने 'नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024' में देश में सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह पंजाबवासियों के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि राज्य ने पूरे देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

नशे के कारोबार में शामिल बड़ी मछलियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी-मुख्यमंत्री

युवाओं के कत्लेआम के लिए जिम्मेदार जरनैलों को जवाबदेह बनाया जाएगा, राज्य के विकास फंड के हिस्से को रोकने के लिए की केंद्र सरकार की निंदा

रमन कुमार

अमृतसर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि नशे बेचकर युवाओं की जिंदगियां बर्बाद करने वालों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित की जाएगी। पवित्र शहर के निवासियों को लगभग 350 करोड़ रुपए की सड़कों और लाइब्रेरियां समर्पित करने के बाद %आप% नेता मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार को संरक्षण देने वाले जरनैलों को पहले ही सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले किसी ने भी इन धनाढ्य नेताओं को गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं की थी, लेकिन अब हमारी सरकार ने ऐसा किया है और अपराधियों को अपने पापों की कीमत चुकानी होगी। भगवंत सिंह मान ने लोगों को भरोसा दिलाया कि इन

नेताओं के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित की जाएगी ताकि कोई भी दोबारा ऐसा अपराध करने की हिम्मत न करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे के खतरे से निपटने के लिए %युद्ध नशे के विरुद्ध% अभियान शुरू किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं की असीमित ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाया जा रहा है। नशे के कारण पंजाब को हुए भारी नुकसान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों के सक्रिय सहयोग से राज्य से इस बुराई को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है।

शाह ने नेशनल डिफेंस एकेडमी, पुणे, महाराष्ट्र में श्रीमंत बाजीराव पेशवा प्रथम की प्रतिमा का अनावरण किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विकास भी, विरासत भी के सूत्र से हजारों वर्षों के योद्धाओं के इतिहास को युवाओं के सामने ला रहे हैं

पंकज

नई दिल्ली–केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज महाराष्ट्र के पुणे में श्रीमंत बाजीराव पेशवा प्रथम की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और श्री अजित पवार और केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकास भी और विरासत भी का सूत्र दिया है जिसके तहत हमारी हज़ारों साल पुरानी संस्कृति में प्रेरणा के स्रोत हज़ारों व्यक्तियों और इतिहास को हमारे युवाओं और योद्धाओं के लिए उपलब्ध कराना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि पुणे की भूमि स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। श्री शाह ने कहा कि 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज की आवाज़ उठी थी और अंग्रेज़ों

के सामने जब स्वराज के लिए जनता के लड़ने का समय आया तो सबसे पहले आवाज़ लोकमान्य बालगंगाधर तिलक महाराज ने उठाई। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने महाराष्ट्र की भूमि से ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया कि एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कुछ कर सकता है। श्री अमित शाह ने कहा कि पेशवा बाजीराव जी की देशभर में कई जगह प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं लेकिन उनका स्मारक बनाने की सबसे उचित जगह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (हृष्ठ) पुणे ही है। उन्होंने कहा कि भविष्य के भारत की तीनों सेनाओं के सूत्रधार यहां से प्रशिक्षित होकर निकलते हैं। श्री शाह ने कहा कि हमारे भविष्य के सैनिक यहां स्थापित बाजीराव पेशवा जी की प्रतिमा से प्रेरणा लेकर उनकी जीवनी का अभ्यास करते हैं और कई युगों तक भारत की सीमाओं को छूने का साहस कोई नहीं कर सकता। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबाह्य नहीं होते और वे अमर होते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध में व्यूह रचना, तेज़ी, समर्पण, देशभक्ति और बलिदान का भाव ही सेनाओं को विजय दिलाता है। श्री शाह ने कहा कि बाजीराव पेशवा जी ने 20 साल में 41 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पराजय को पूरे जीवन अपने नज़दीक न आने देने वाले बाजीराव पेशवा जी जैसे वीर सेनानी की प्रतिमा लगाने का सबसे उचित स्थान हृष्ठ अकादमी ही हो सकता है। श्री अमित शाह ने कहा कि बाजीराव पेशवा जी ने अपने कौशल, रणनीति और वीर साथियों की मदद से कई हारे हुए युद्धों को जीत में परिवर्तित किया। उन्होंने कहा कि गुलामी की निशानियों को हर जगह ध्वस्त कर वहां स्वतंत्रता का दीप प्रज्जवलित करने का काम बाजीराव पेशवा जी ने किया। श्री शाह ने कहा कि पूरे 20 साल के कालखंड में बाजीराव पेशवा जी को घोड़े से नीचे उतरते हुए किसी ने नहीं देखा। उन्होंने कहा कि शनिवारवाड़ा का निर्माण, जल प्रबंधन और कई कुरीतियों के खिलाफ पेशवा जी ने लड़ाई लड़ी। गृह मंत्री ने कहा कि कुछ लोग बाजीराव पेशवा जी को ईश्वरदत्त सेनापति, अजिंक्य योद्धा और शिवशिष्योत्तम बाजीराव पेशवा भी कहते हैं। बाजीराव पेशवा ने सभी युद्ध अपने लिए नहीं बल्कि देश और स्वराज के लिए लड़े थे। उन्होंने कहा कि बाजीराव पेशवा जी ने हर युद्ध अपनी मातृभूमि, धर्म और स्वराज के लिए लड़ा और एक ऐसा अमर इतिहास लिखने का काम किया जो आने वाली कई सदियों तक कोई और नहीं लिख सकेगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जी ने अपने छोटे से जीवनकाल में न सिर्फ हिंदवी स्वराज की स्थापना करने का काम किया बल्कि युवाओं के मन में स्वराज के संस्कार भी भरे। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के बाद कई योद्धाओं ने उनकी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्वराज की ज्योति को बुझने नहीं दिया। श्री शाह ने कहा कि अगर शिवाजी महाराज द्वारा शुरू की गई स्वतंत्रता की लड़ाई को पेशवाओं ने 100 साल तक न चलाया होता तो आज भारत का मूल स्वरूप ही न बचा होता।

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए सतत हरित बदलाव

भूपेंद्र यादव
केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जु?ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है। जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों ङ्क सुधार, प्रदर्शन और बदलाव – पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानी' की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था।

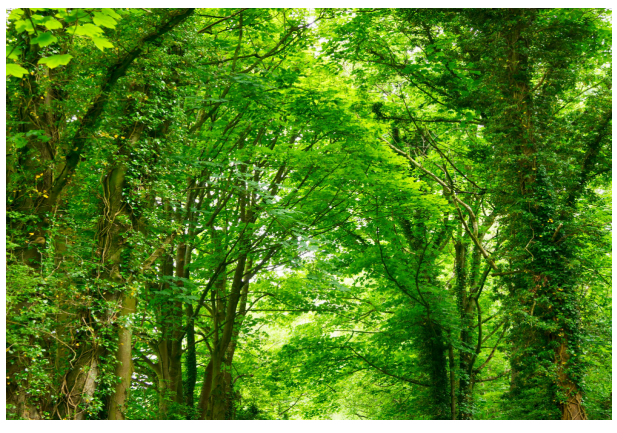

ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ था- इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद हो। वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जु?ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जो?ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे ब?ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जु?ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया। वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत ब? पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक

दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और ऋप्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांतऋ पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जु? ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई–कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार–आधारित तंत्र का निर्माण हुआ। कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में ब?ोतरी और च क्र ी य अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस पुनर्चक्रणकर्ताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उ त्त र दा यि त्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई–कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024–25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है।

15000 रुपए रिश्वत लेता पी. एस. पी. सी. एल. का जे. ई. विजीलैंस ब्यूरो ने किया काबू

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, : पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही अपनी मुहिम के दौरान पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमटिड (पीऐसपीसीऐल), सब–स्टेशन, कंधाला जट्टां ज़िला होशियारपुर में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) बलजीत सिंह को 15000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ़्तार किया है। आज यहाँ यह खुलासा करते हुये विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह केस होशियारपुर जिले के गाँव सीकरी के एक निवासी द्वारा दायर की गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया कि उक्त जेई ने उसके गाँव में बिजली सप्लाई लोड को ठीक करने के लिए एक नया ट्रांसफ़र्मर लगाने के बदले 20000 रुपए की माँग की

थी परन्तु उसकी विनती पर सौदा 15000 रुपए में तय हो गया। प्रवक्ता ने आगे कहा कि शिकायत की तस्दीक के बाद जालंधर रेंज की विजीलैंस टीम ने जाल बिछाया और उक्त मुलजिम को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस सम्बन्ध में विजीलैंस ब्यूरो पुलिस थाना, जालंधर रेंज में उक्त जेई के विरुद्ध भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। दोषी को कल समर्थ अदालत में पेश किया जायेगा और इस मामले की आगे जांच जारी है।